हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

दवा कंपनियां मनचाही एमआरपी लिखकर दवा सप्लाई को हो गई तैयार, दो ने कहा- एमआरपी नहीं बदलेंगे

डॉक्टरों को 40 फीसदी कमीशन दे सकते हैं

धंधा है पर गंदा है यह...

दो दिन से चल रहे इंडियन फार्मा फेयर में एमआरपी के नाम पर होने वाले खेल के बारे में जानने के लिए हम केमिस्ट बने

फार्मा फेयर में टीम हरिभूमि पहुंची केमिस्ट बनकर, कंपनियों ने कहा, स्ट्रिप पर 8 गुना तक एमआरपी प्रिंट कर देंगे, डॉक्टर को दे सकते हैं 40 फीसदी कमीशन

कहा- आप ही बता दो, कितना प्रिंट करना है

प्रतिनिधियों ने यहां तक प्रस्ताव दिया कि अपना खर्च और मुनाफा, डाक्टरों का कमीशन और अन्य खर्च जोड़कर दवाओं की कीमत तय कर उन्हें बता दें। उन्होंने कहा कि अलग-अलग इलाकों के लिए एक ही दवा अलग-अलग कीमत पर सप्लाई कर देंगे। एक ही बैच की दवा की कीमत भी बदलने को कंपनी तैयार थीं। एक कंपनी के प्रतिनिधि ने तो यहां तक कह दिया कि भले ही दवा की कीमत सौ रुपए हो अगर वे (संवाददाता) चाहे तो उसकी एमआरपी एक हजार रुपए अंकित कर उन्हें दी जा सकती है फिर चाहे वे दवा की दस पैकेट ले अथवा सौ पैकेट। आसपास के इलाके में दवाओं की खपत अगर बढ़ाया जाता है तो एमआरपी का लाभ और बढ़ाया जा सकता है।

दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों से रिपोर्टर की चर्चा, हरिभूमि के पास सबकी रिकॉर्डिंग

विकास शर्मा के साथ ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लाइव

आम आदमी बीमार होने के बाद डॉक्टर के पास इलाज कराने पहुंचता है। डॉक्टर उसे दवाएं लिखकर देता है। मरीज दवा दुकान से दवा खरीदता है। बीमार, हैरान और परेशान आम आदमी इस सफर में लुट जाता है। फार्मा कंपनियों, डॉक्टरों और दवा विक्रेताओं की मिलीभगत की पड़ताल की हरिभूमि ने। राजधानी के एक निजी होटल में दो दिन से चल रहे इंडियन फार्मा फेयर में एमआरपी के नाम पर होने वाले खेल के बारे में जानने के लिए हम केमिस्ट बने। फार्मा फेयर में हमने सात कंपनियों के प्रतिनिधियों से बात की। पांच कंपनी डाक्टरों के कमीशन, मुनाफा के तर्क पर एनपीपीए की सूचीबद्ध दवाओं को छोड़कर बाकी सभी की एमआरपी में आठ गुना तक बढ़ाने और प्रिंट करने के लिए तैयार हो गए। यानी दस रुपए की दवा ▶▶| शेष पेज 6 पर

केस 01 हमने कहा हम दुकानों में सप्लाई करते हैं, सब कमीशन मांगते हैं

- रिपोर्टर- डॉक्टर दवा लिखने के पीछे कमीशन लेते हैं। अधिक मुनाफ के लिए क्या एमआरपी बढ़ाकर प्रिंट की जा सकती है?
- फार्मा कंपनी के प्रतिनिधि- बिलकुल हो सकता है। मिनिमम क्वांटिटी होती है और 300 पैकेट का बैच बनता है। हमारा कोई प्रोडक्ट में आप एमआरपी में बदलाव चाहते हैं, तो ऑर्डर के दौरान 100 से 150 पैकेट अलग निकाल दिए जाएंगे।
- रिपोर्टर- हम जो एमआरपी ▶▶| शेष पेज 6 पर

केस 02 हमने कहा-बिरगांव में हमारी दुकान हैं उसके लिए दवाएं चाहिए

- रिपोर्टर- आपके यहां किस तरह की दवाएं मिलती है?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- कैल्शियम और विटामिन से जुड़ी सभी तरह की दवाएं मिल सकती हैं, आपको क्या चाहिए?
- रिपोर्टर- बिरगांव में हमारी छोटी दुकान है। डॉक्टर कमीशन लेते हैं इसलिए हम चाहते हैं कि सस्ती दवा अधिक एमआरपी में मिल जाए?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- आपको कैसी दवाएं चाहिए?
- रिपोर्टर- हमें बीपी, शुगर, ▶▶| शेष पेज 6 पर

केस 03 हमने कहा-डॉक्टर ज्यादा कमीशन मांगते हैं हम कैसे कमाएं?

- रिपोर्टर- ग्रामीण क्षेत्र में डॉक्टर कमीशन लेकर ही दवा लिखते हैं। हमारी कमाई नहीं हो पाती। हम चाहते हैं कि दवा अधिक एमआरपी में मिल जाए?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- बिलकुल संभव है, आपके हिसाब से एमआरपी बनाकर दें देंगे। नंबर दीजिए अपनी सारी दवाओं की जानकारी आपको भेजता हूं।
- रिपोर्टर- आपकी यह दवा 460 रुपए की है इसके कितना बढ़ा सकते है?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- ▶▶| शेष पेज 6 पर

केस 04 फार्मा कंपनी ने कहा 130 रुपए की दवा पर 1000 रुपए प्रिंट कर सकते हैं

- रिपोर्टर- दवा दुकान शुरू करना चाहते हैं। क्या हमें दवा एमआरपी से अधिक मिल सकती है?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- एमआरपी बढ़ाकर मिल जाएगा। हमारे 5 से 7 प्रोडक्ट है डॉक्टर को दिखा दीजिए।
- रिपोर्टर- आप हमें दवा कितनी अधिक एमआरपी में दे सकते हैं?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- आपका डॉक्टर दवा के पीछे कितना कमीशन लेता है?
- रिपोर्टर- डॉक्टर 15 ▶▶| शेष पेज 6 पर

जेनेरिक दवाओं पर भी बड़ा खेल

जेनेरिक दवाओं के नाम पर बाजार में बड़ा खेल होता है। जिन दवाओं का फार्मूला का उपयोग निर्माण के लिए एक से अधिक कंपनी करती हैं उसे जेनेरिक की

श्रेणी में रखा जाता है। इन दवाओं की मार्केटिंग भी नहीं होती इसलिए ब्रांडेड की तुलना में यह काफी सस्ती होती है। दवा कंपनियां इन जेनेरिक दवाओं के एमआरपी में भी गोलमाल करती हैं और मनचाहे दाम निर्धारित कर उसमें छूट का झांसा देकर अधिक कीमतों में लोगों सस्ती दवाएं थमा जाती है।

बीमार खरीदता है औने-पौने दाम पर

यह खेल कितना जानलेवा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ दवाएं केवल डॉक्टर की बताई गई दुकान पर ही मिलती हैं। वे खास तौर पर उसी डॉक्टर या केमिस्ट के लिए तैयार की जाती हैं। मरीज और उसके परिजन मजबूरी में कई गुना दाम पर दवाएं खरीदने के लिए मजबूर होते हैं। जो पहले से ही संकट में है उसे भी लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ता।

भारत माला का तिलस्म...

हरिभूमि को मिले दस्तावेजों में मुआवजे पर बड़ा खुलासा

खसरा अलग, रकबे में अंतर, फिर भी 102 लोगों को एक जैसा मुआवजा

भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रहे रायपुर विशाखापट्टनम एक्सप्रेस वे में मुआवजे को लेकर एक बार फिर बड़ा खुलासा हुआ है। हरिभूमि को मिले दस्तावेजों से पता चलता है कि अलग-अलग खसरा नंबर में भी एक तरह का मुआवजा दे दिया गया। सिर्फ नायकबांधा गांव में ही 51 बार 95 लाख 95 हजार 520 रुपए मुआवजा देने का उल्लेख है। इसी तरह इसी गांव में 36 बार 71 लाख 96 हजार 640 रुपए मुआवजा दिया गया है। जबकि उनकी जमीन अलग, खसरा नंबर अलग और मालिक भी अलग-अलग हैं।

गौरव शर्मा ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

दरअसल एक जैसे मुआवजे के पीछे जमीनों की बंदरबांट का खेल हैं। खसरे का बटांकन करने की वजह से एक जैसा मुआवजा दिया गया। यह खेल सिर्फ नायकबांधा में खत्म नहीं होता। टोकरो गांव में भी इसी तरह एक ही एमाउंट कई बार अलग अलग किसानों को देने का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि कुछ मामलों में जमीन के रकबे में भी अंतर है, फिर भी उन्हें एक जैसे मुआवजे का भुगतान किया गया है। मुआवजे को लेकर अहम जानकारी यह भी है कि उरला, सातपारा समेत कई गांवों में जमीन देने के बावजूद मुआवजे का ▶▶| शेष पेज 6 पर

14 बार 23,98,880 रुपए मुआवजा

जमीनों का बटांकन कर मुआवजे को बढ़ाने के खेल में ही एक जैसी राशि का मामला सामने आया है। यह खेल टोकरो गांव में बड़े पैमाने पर देखने मिलता है। यहां 23 लाख 98 हजार 880 रुपए की राशि 14 बार और 29 लाख 98 हजार 600 रुपए की राशि 15 बार मुआवजे के रूप में दर्ज है। इससे स्पष्ट है कि अफसरों और भूमाफियाओं ने सुनियोजित ढंग से जमीनों के एक जैसे टुकड़े किए और एक जैसा मुआवजा वितरित किया।

रकबे में अंतर राशि एक जैसी

95 लाख 95 हजार 250 रुपए मुआवजा के अधिकतर मामलों में रकबा 0.400 है, लेकिन एक प्रकरण ऐसा भी है, जिसमें इतने ही रकबे में 99 लाख 63 हजार 512 रुपए मुआवजे का भुगतान किया गया है। नायकबांधा गांव के ही एक अन्य मुआवजा प्रकरण में 0.300 हेक्टेयर भूमि में सिर्फ बोर होने की वजह से 1 करोड़ 29 लाख 17 हजार 500 रुपए मुआवजा दिया गया है।

इन्हें मिली एक जैसी राशि

नायकबांधा गांव में 95 लाख 95 हजार 520 रुपए की राशि जिन प्रभावितों को दी गई, उनमें पुखराज गांधी, बिंदु शर्मा, बॉबी गुलाटी, दुर्गा अग्रवाल, सुनील ओगरे, रोशन चंद्राकर, फुलचंद पिता बुधराम, प्रेमलाल पिता बुधराम, परमानंद पिता छोटूराम, शोभित पिता छोटूराम. भूपेंद्र चंद्राकर, रोशन चंद्राकर, अमित राठी पिता लक्ष्मीनारायण राठी समेत कई नाम हैं, जिन्हें अलग खसरा के बाद भी एक जैसी राशि मिली।

अफसर, दलाल और किसानों की तिगड़ी

ग्रामीण दबी जुबान में कहते हैं कि अधिग्रहण से पहले ही दलाल गांव में एक्टिव हो गए थे। किसानों से संपर्क किया और उन्हें कई गुना ज्यादा मुआवजा दिलाने के लिए तैयार किया। इसके बाद अफसर और दलालों ने मिलकर जमीन के मुआवजे में खेल किया गया है। हालांकि किसान यह भी कह रहे हैं कि उन्हें उतना मुआवजा नहीं मिला जितना कागजों में दिखाया गया है। बिचौलियों और अफसरों ने रकम में बंदरबांट की है।

यह है वो खसरा

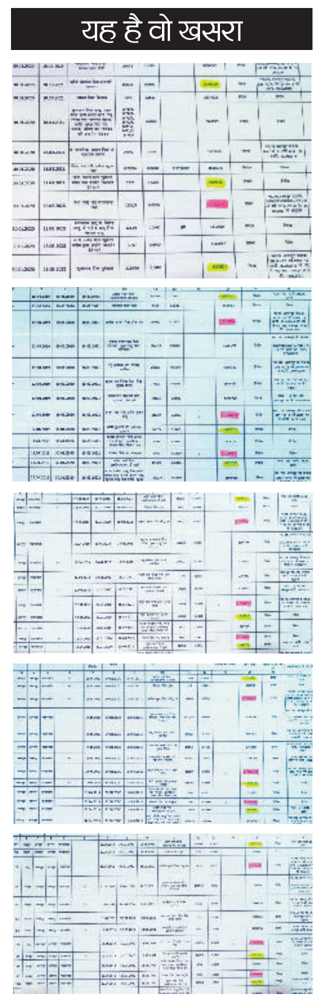

जमीन की फर्जी खरीदी-बिक्री और धोखाधड़ी पर लगेगी रोक

रजिस्ट्री में 10 क्रांतिकारी बदलाव, अब लंबे इंतजार से मुक्ति, मिनटों में काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार में 10 क्रांतिकारी नवाचारों का तोहफा प्रदेशवासियों को दिया है। शनिवार को मेफेयर रिसॉर्ट में इन नवाचारों का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, भूमि पंजीयन के लिए 10 नए क्रांतिकरी नवाचारों से राज्य की जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा, सरकार अपने डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में सुशासन की राह में आगे बढ़ रही है। राजस्व से जुड़े कार्यो के लिए अब लोगों को कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। पंजीयन के साथ अब नामांतरण का कार्य भी तत्काल होगा। उन्होंने कहा, राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि का असर भूस्वामी पर पड़ता है। त्रुटि कोई और करे और भुगतता कोई और है। अब लोगों को इन समस्याओं से ▶▶| शेष पेज 6 पर

- ऑफलाइन व्यवस्था को बंद कर ऑनलाइन करने से भ्रष्टाचार की संभावना खत्म

जनता को मिलेगा लाभ- ओपी चौधरी

वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, कोई भी अर्थव्यवस्था, देश और समाज जब तक तकनीक और रीफार्म को नहीं अपनाता है, तब तक महान नहीं बनता। उन्होंने कहा, पंजीयन विभाग ने सुधारों को लागू करने के लिए दिन-रात मेहनत की है। व्यवस्था में परिवर्तन होने से पहले इसका विरोध होता है, लेकिन यह सत्य है कि विकास के लिए परिवर्तन जरूरी है। जनता के हित और सुशासन के लिए ईमानदारी और निष्ठा से कार्य हो, यह जरूरी है।

नामांतरण के 90 प्रतिशत प्रकरण- टंकराम

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा, पंजीयन में 10 नई क्रांतिकारी बदलाव आमजन को सहूलियत और राहत दिलाएगा। राजस्व और पंजीयन विभाग का यह संयुक्त प्रयास लोगों के लिए भूमि पंजीयन को नई दिशा देने का कार्य करेगा। इसका लाभ जनता को मिलेगा। राजस्व विभाग आम जनता से जुड़ा विभाग है, इन क्रांतिकारी उपायों के लागू होने से रजिस्ट्री की गड़बड़ियों को रोकने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, राजस्व विभाग में 90 प्रतिशत प्रकरण नामांतरण के हैं। नई व्यवस्था के लागू होने से इन प्रकरणों की संख्या तेजी से कम होगी।

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में ईडी की एंट्री ईओडब्ल्यू, एसीबी से एफआईआर की कॉपी मांगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

48 करोड़ रुपए से ज्यादा के भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में ईडी की एंट्री हो गई है। ईडी ने फिलहाल इस मामले में अपराध दर्ज नहीं किया है। ईओडब्लू द्वारा दर्ज मामले की एफआईआर की कापी देने ईडी ने संबंधित विभाग को पत्र लिखा है। भारतमाला प्रोजेक्ट भू-अर्जन मुआवजा राशि गड़बड़ी मामले में ईओडब्लू ने पिछले सप्ताह 20 अलग-अलग ठिकानों पर छापे की कार्रवाई करते हुए 11 ▶▶| शेष पेज 6 पर

पूछताछ के लिए जनप्रतिनिधि तलब

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाले की जांच कर रही ईओडब्लू की टीम ने पूर्व के जिला पंचायत के सदस्य रहे कई जनप्रतिनिधियों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। पूर्व के जिला पंचायत सदस्यों पर फर्जी तरीके से मुआवजा लेने का आरोप है। सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर ईओडब्लू ने जिला पंचायत सदस्यों को नोटिस जारी किया है।

आरोपी के अकाउंट में लेन-देन होने की जानकारी

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में आरोपी बनाए गए हरमीत सिंह खनूजा के बैंक अकाउंट में जैतू साव मठ की जमीन घोटाला मामले की रकम ट्रांसफर होने की ईओडब्लू के अफसरों को पुख्ता जानकारी मिली है। इसके अलावा पूछताछ में किसानों तथा जमीन दलालों ने हरमीत द्वारा जैतू साव मठ का जमीन घोटाला करने ▶▶| शेष पेज 6 पर

तरकश

संजय के दीक्षित

सीएस और सीआईसी पर मौन

छत्तीसगढ़ ब्यूरोक्रेसी में इस समय नए चीफ सिकरेट्री और चीफ इंफार्मेशन कमिश्नर हॉट टॉपिक है मगर इन दोनों विषयों पर सिस्टम खामोश है। सीआईसी के लिए 16 अप्रैल को सलेक्शन कमेटी की बैठक होनी थी। मगर सीएम के बस्तर दौरे की वजह से टल गई। इसके बाद पखवाड़ा गुजर गया, अगली बैठक की कोई सुगबुगाहट नहीं है। कुछ दिन पहले तक सीएस अमिताभ जैन का सीआईसी बनना तय माना जा रहा था, किंतु रिटायर डीजीपी अशोक जुनेजा की इंट्री के बाद इस पर धूंध छा गया है। फिर भी पलड़ा अमिताभ की ही भारी बताया जा रहा है। उधर, नए मुख्य सचिव की तस्वीर भी साफ नहीं हो पा रही है। इस शीर्ष पद के लिए रेणु पिल्ले, सुब्रत साहू, अमित अग्रवाल, ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ पात्रता रखते हैं। पर आम परसेप्शन ये बन गया है कि मुख्य मुकाबला सुब्रत साहू और मनोज पिंगुआ के बीच होगा। रेणु पिल्ले, अमित या ऋचा को 80 से 90 परसेंट लोग रेस से बाहर बता रहे हैं। इन तीनों में से कोई एक नाम अगर आश्चर्यजनक रूप से सामने आ गया तो, वो किसी अदृश्य शक्ति का कमाल होगा। इसमें भारत सरकार का इंटरफेयरेंस भी एक हो सकता है। जैसे मध्यप्रदेश, ओड़िसा, राजस्थान और हरियाणा में हुआ। संभवतः यही वजह है कि सुब्रत और मनोज का नाम तो लोग ले रहे मगर कांफिडेंट कोई नहीं। आखिर, एमपी में अनुराग जैन का नाम दिल्ली से तब आ गया था, जब राज्य सरकार ने सीएस अपाइंटमेंट की नोटशीट चला दी थी। बहरहाल, छत्तीसगढ़ में देखना है मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इन पांच में से किसे मौका देते हैं।

यमराज बड़ा या पटवारी!

पंजीयन विभाग के 10 सुधारों के आगाज के मौके पर राजस्व और पंजीयन विभाग आज सबके निशाने पर रहा। यहां तक कि हवा का रुख देख राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा बोले...जनता को राजस्व विभाग के चक्कर से अब छूटकारा मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का भड़ास भी आज बाहर आ गया। पटवारी, तहसीलदारों की मनमानियों का जिक्र करते हुए उन्होंने यहां तक कह डाला कि पटवारी यमराज से बड़े हो गए हैं...जिंदा आदमी को कागज में मार देते हैं। फिर जिंदा आदमी को साबित करने महीनों, सालों कोर्ट का चक्कर लगाना पड़ जाता है। मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद किसी विभाग के खटराल मुलाजिमों के बारे में उनका पहली बार इस तरह गुस्सा बाहर आया होगा। वहीं, पंजीयन मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि सुधारों के लिए किस तरह उन्हें उंगली टेढ़ी करनी पड़ी। उन्होंने दिलचस्प किस्सा बताते हुए कहा कि 10 परसेंट जो कभी नहीं सुधरते, पंजीयन विभाग में वे आंदोलन का माहौल बनाने लगे थे। उन्होंने छह लोगों की फाइल तैयार करवाई। फिर मंत्रालय में बुलाया। बोला...देख लो, इसमें क्या करना है। उसके बाद सभी के जोश ठंडे पड़ गए। उन्होंने इसका भी खुलासा किया, उन छह फाइलों में से तीन ही सही थी, तीन फाइलों में फर्जी पेपर रखे थे। ओपी के कहने का आशय यह था कि किसी भी सुधार के लिए लंबा पापड़ बेलना पड़ता है, विरोधों का सामना करना पड़ता है। उसमें सियासत भी आड़े आती है।

कलेक्टरों की निगरानी

महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में कलेक्टरों की पुअर रिपोर्ट मिलने के बाद सीएम सचिवालय ने कलेक्टरों पर निगरानी का काम प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए अटल मॉनिटरिंग पोर्टल बनाया गया है। इस पोर्टल से कलेक्टरों की मुश्किलें इसलिए बढ़ेगी कि अब वे आंकड़ों की बाजीगरी नहीं कर पाएंगे। जाहिर है, सीएम सचिवालय अपने स्तर पर विभागों से डेटा लेकर कलेक्टरों को आईना दिखाता रहेगा कि उनके जिले में क्या चल रहा है। सीएम सचिवालय ने उदाहरण के लिए कलेक्टरों से सभी 33 जिलों की राजस्व कोर्ट का डेटा शेयर किया है। इसमें बस्तर संभाग को छोड़ दें तो सरगुजा और मैदानी इलाकों का बुरा हाल है। कई जिलों में 50 परसेंट भी राजस्व मामलों का निबटारा नहीं हुआ है।

डीएमएफ में बिजी कलेक्टर

दरअसल, कलेक्टरों के राजस्व न्यायालय में दिलचस्पी न लेने की एक बड़ी वजह यह है कि राज्य बनने के बाद इस पर सिस्टम ने ध्यान नहीं दिया। मध्यप्रदेश के दौर में सन 2000 तक बड़े-बड़े कलेक्टर कोर्ट में बैठकर राजस्व केस निबटाते थे। राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ में पैसे का फ्लो ऐसे बढ़ा....ब्यूरोक्रेसी यह भूल गई कि ईश्वर ने उन्हें देश की सबसे प्रतिष्ठित सर्विस के लिए चुना है तो ईश्वर को थैंक्स के नाम पर कुछ अच्छा भी कर जाएं। जाहिर है, राज्य निर्माण के बाद नवंबर 2000 से 2002 तक सिस्टम सेट होने में लगा। 2003 से 2010 तक नौकरशाही खेत-खलिहान, फार्म हाउस बनाने में उलझी रही। इसके बाद कलेक्टरों के पास डीएमएफ आ गया। डीएमएफ के बाद कलेक्टरों के पास राजस्व कोर्ट में बैठने का फुरसत कहां। 60 फीसदी कलेक्टर सुबह से कैलकुलेटर लेकर बैठ जाते हैं...और जो थोड़े-बहुत अच्छे हैं, उन्हें लगता है कि जमीन-जायदाद के पचड़े में फालतू पड़ना क्यों? यही वजह है कि पिछले एक दशक में कलेक्टर्स अपने न्यायालयीन दायित्व को लगभग भूल गए। अधिकांश कलेक्टरों ने अपना कोर्ट अपर कलेक्टरों के हवाले कर दिया है। बहरहाल, सीएम सचिवालय ने अब मॉनिटरिंग शुरू की है...पीएस टू सीएम सुबोध सिंह इसे देख रहे हैं...उन्होंने सभी कलेक्टरों को मैसेज कर खबरदार भी किया है....तो उम्मीद करें कि छत्तीसगढ़ में कलेक्टर कोर्ट की रौनक लौटेगी।

नारी शक्ति और राईस माफिया

करीब सवा पांच साल बाद रीना बाबा कंगाले की मुख्य धारा में वापसी हुई और वह भी धमाकेदार। जिस खाद्य विभाग को एसीएस लेवल ऋचा शर्मा और सिकरेट्री अंबलगन पी0 मिलकर चला रहे थे, उसे अब रीना को सौंपा गया है। रीना ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव न केवल बढ़ियां से कराया बल्कि पांच राज्यों में सबसे स्मूथली चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग से उन्हें अवार्ड भी मिला। हालांकि, फूड में ऋचा के वर्क को भी कमतर नहीं आंका जा सकता। रमन सिंह सरकार के दौरान विकास शील के सिकरेट्री फूड रहते चावल माफिया सिस्टम पर जब हॉवी हो गए थे, उस दौरान ऋचा को खाद्य विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। ऋचा ने न केवल राईस माफियाओं पर लगाम लगाया बल्कि पहली बार धान का शार्टेज एक परसेंट पर ला दिया। इस बार भी उन्होंने राईस मिलरों को ऐसा दबाकर रखा कि वे आह भी नहीं भर पा रहे थे। पिछली सरकार के जिस मीलिंग कमीशन को लेकर ईडी ने कइयों को जेल भेजा, उस विवादित पेमेंट के लिए भी राईस मिलरों का बड़ा प्रेशर है। इसके लिए रीना को अब दमदारी दिखानी पड़ेगी। रीना पूर्व पुलिस कमिश्नर की बेटी हैं...कलेक्टर रहने के दौरान कई दमदार फैसलों को लेकर चर्चाओं में रहीं। इसलिए, राईस लॉबी को बहुत ऋचा की विदाई से ज्यादा प्रसन्न होने की जरूरत नहीं है।

दो को सजा, दो को ईनाम

मध्यप्रदेश के बंटवारे के बाद दो-चार स्वाभिमानी ब्यूरोक्रेट्स भोपाल से रायपुर आए थे, उनमें आईएएस केके चक्रवर्ती भी शामिल थे। उन्होंने ही 2003 में छत्तीसगढ़ का पहला विधानसभा चुनाव कराया। उसके बाद वे सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली चले गए। उनके बाद 2008 का विधानसभा चुनाव डॉ0 आलोक शुक्ला, 2009 का लोकसभा, 2013 का विधानसभा और 2014 का लोकसभा चुनाव सुनील कुजूर, 2018 का विधानसभा और 2019 का लोकसभा चुनाव सुब्रत साहू तथा 2013 का विधानसभा और 2024 का लोकसभा चुनाव रीना बाबा कंगाले ने बतौर सीईओ कराया। इनमें से डॉ0 आलोक शुक्ला और सुनील कुजूर के टेन्योर के दौरान विधानसभा चुनाव में कुछ ऐसा हुआ कि रमन सरकार को नागवार गुजरा। आचार संहिता में हाई प्रोफाइल डीजीपी विश्वरंजन से लेकर कई अफसरों की छुट्टी हो गई। आलम यह हुआ कि आलोक को लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ छोड़कर दिल्ली जाना पड़ गया...और सुनील कुजूर ने भले ही एक विधानसभा और दो लोकसभा चुनाव कराने का रिकार्ड बनाया, मगर सरकार की नाराजगी ऐसी तीव्र थी कि उन्हें लंबे समय तक प्रमोशन से वंचित रहना पड़ा। प्रमोटी आईपीएस राजीव श्रीवास्तव जब डीजी हो गए तो बैजेंद्र कुमार पहुंच गए सीएम के पास। उसके बाद कुजूर फिर प्रमुख सचिव बनें। अलबत्ता, सुब्रत साहू और रीना कंगाले को विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जीत का ईनाम मिला। 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की करारी हार हुई थी और कांग्रेस की ऐतिहासिक विजय। सुब्रत को लोकसभा चुनाव के बाद सीएम सचिवालय की पोस्टिंग मिली तो 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की आश्चर्यजनक जीत के लिए रीना कंगाले को फूड में पोस्टिंग देकर सरकार ने बड़ा संदेश दिया है।

तीन अफसरों का पेनल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त करने के लिए राज्य सरकार ने तीन आईएएस अधिकारियों का पेनल भारत निर्वाचन आयोग को भेजा था। इनमें यशवंत कुमार, शिखा राजपूत और केडी कुंजाम शामिल है। यशवंत चूकि राजभवन में सचिव रहे हैं इसलिए प्रोफाइल बढ़ियां होने के चक्कर में वे बेचारे फंस गए। निर्वाचन आयोग ने उनके नाम पर टिक लगा दिया। हालांकि, संकेत हैं कुछ दिन बाद सरकार उन्हें निर्वाचन आयोग से इजाजत लेकर कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी देगी, जैसा कि पहले होता आया है। वैसे भी अगला विधानसभा चुनाव नवंबर 2028 में है। और ये भी आवश्यक नहीं कि यशवंत ही चुनाव कराएंगे। हो सकता है, उसके पहले उनका प्रभार बदल जाए। उनके पहले भी कई सीईओ रहे, जिन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं कराया। सुब्रत से पहले निधि छिब्बर भी विधानसभा चुनाव से पहले डेपुटेशन पर चली गईं थीं।

मंत्री और लाल बत्ती उलझी

लगता है, विष्णुदेव साय कैबिनेट का विस्तार किसी ग्रह-नक्षत्र का शिकार हो गया है। क्योंकि, पहलगाम की आतंकी घटना के बाद अब कुछ महीनों तक कम-से-कम कोई राज्य सरकार मंत्रिमंडल विस्तार या सर्जरी की बात तो नहीं ही करेगा। यही हाल लाल बत्ती में भी होगा। जिन्हें निगम-मंडलों में पोस्टिंग मिल गई, वे किस्मती रहे। सभी ने झंका-मंका के साथ अपना पदभार ग्रहण कर लिया। मगर कुछ दिनों के लिए अब इस पर ब्रेक समझिए। बीजेपी के अंदरखाने की जानकारी रखने वालों का कहना है कि मंत्रिमंडल विस्तार पर राहू-केतु की कुदृष्टि पड़ गई है। मुख्यमंत्री को इसके लिए कोई अनुष्ठान करा लेना चाहिए। ताकि, पाकिस्तान से युद्ध ठीकठाक निबटने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की बात बढ़ाई जा सकें।

सीएस की भाषण कला

जैसे-जैसे रिटायरमेंट का समय नजदीक आता जा रहा, सीएस अमिताभ जैन के चेहरे की रौनक बढ़ती जा रही, वैसे ही उनके भाषण कला में निखार आता जा रहा है। नवा रायपुर के एक बड़े होटल में पंजीयन विभाग के कार्यक्रम में उन्होंने ऐसे सधे और मारक अंदाज में भाषण दिया कि पूछिए मत! उन्होंने हरीत, लाल और सुधार क्रांति की बातें कर डालीं। उन्होंने राजस्व विभाग के खटराल सिस्टम को निशाने पर लेते हुए कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों का अधिकार कम कर ये सरकार जनता को सुविधाएं मुहैया करा रही है...ये एक बड़ा विजनरी बदलाव है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. काफी जोर होने के बाद भी राज्य सरकार ने राहुल देव को बिलासपुर का कलेक्टर क्यों नहीं बनाया?
2. क्या छत्तीसगढ कैडर के फर्स्ट आईएएस सोनमणि बोरा अगले प्रिंसिपल सिकरेट्री होम होंगे?

अब एआई, सेमीकंडक्टर और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री से मिल रही पहचान- मुख्यमंत्री

नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देश के पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डेटा सेंटर पार्क की नीव शनिवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर के सेक्टर-22 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रखी। यह डेटा सेंटर पार्क 13.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है, जिसमें 2.7 हेक्टेयर हिस्सा विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में विकसित होगा। रैक बैंक डेटा सेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित यह परियोजना पूरी तरह एआई सेवाओं को समर्पित होगी। पहले चरण में 5 मेगावाट क्षमता से शुरू होकर इसे 150 मेगावाट तक विस्तारित किया जाएगा। भविष्य में इस परियोजना में लगभग 2000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश संभावित है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस डेटा सेंटर को हरित और ऊर्जा दक्ष तकनीक के अनुरूप डिजाइन किया गया है।

यहां से न केवल स्टोरेज और प्रोसेसिंग की सुविधा उपलब्ध होगी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक, डिफेंस, फिनटेक और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक सेवाएं भी दी जाएंगी। पार्क में जीपीयू आधारित हाई-एंड कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, रिकॉर्डिंग, लाइव डेटा स्ट्रीमिंग, और एआई प्रॉसेसिंग जैसी विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी। परियोजना के जरिए लगभग 500 प्रत्यक्ष और 1500 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर तैयार होंगे। खास बात यह है कि इसमें स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे छत्तीसगढ़ न केवल तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी बनेगा बल्कि युवाओं के लिए नई संभावनाएं भी खुलेगीं। इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सीएसआईडीसी के चेयरमैन राजीव अग्रवाल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, उद्योग सचिव रजत कुमार उपस्थित रहे ।

ये सेवाएं उपलब्ध होंगी

इसके जरिए जीपीयू आधारित हाई-एंड कंप्यूटिंग, लाइव डेटा स्ट्रीमिंग, एआई प्रोसेसिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी वैश्विक स्तर की सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। इसका असर हेल्थटेक, फिनटेक, स्मार्ट एग्रीकल्चर और रक्षा क्षेत्र में बड़े बदलावों के रूप में दिखाई देगा।

छत्तीसगढ़ के भविष्य की नीव- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, यह सिर्फ एक तकनीकी परियोजना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के भविष्य की नींव है। उन्होंने इसे राज्य के युवाओं, किसानों और आदिवासी समुदाय के लिए परिवर्तनकारी बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ अब डिजिटल भारत की धड़कन बनेगा। यह वर्ष छत्तीसगढ़ की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है, हमारी कोशिश रहेगी कि इसी साल स्थापना दिवस पर डाटा सेंटर का लोकार्पण हो जाये। एआई डाटा सेंटर छत्तीसगढ़ के लिए सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति लेकर आया है। यह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जय विज्ञान, जय अनुसंधान के मंत्र को साकार करेगा और विकसित छत्तीसगढ़ की बुनियाद बनेगा। उन्होंने कहा, देश का ग्रोथ इंजन छत्तीसगढ़ अपने कोयला, स्टील, आयरन ओर, ऊर्जा के लिए पहचाना ही जाता है। अब एआई, सेमीकंडक्टर और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री से हमें वैश्विक पहचान मिल रही है।

500 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

एआई डेटा सेंटर से प्रदेश में एआई आधारित सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग और व्यापार जगत के साथ इसका सीधा लाभ लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मिलेगा। केंद्र सरकार ने पिछले साल इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी थी। मोबाइल क्रांति के बाद अब एआई का दौर है। हमारे जीवन के हर क्षेत्र को एआई प्रभावित कर रहा है। ऐसे में छत्तीसगढ़ की एआई क्रांति देश के लिए मॉडल बनेगी। एआई डाटा सेंटर की स्थापना से 500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के लिए क्या बदलेगा?

यह डाटा सेंटर पार्क आईटी, डाटा एनालिटिक्स, और तकनीकी रखरखाव जैसे क्षेत्रों में हजारों नौकरियां पैदा करेगा। छत्तीसगढ़ के युवा अब दिल्ली-मुंबई जाए बिना अपने घर पर ही तकनीकी करियर बना सकेंगे।

किसानों की मदद: एआई तकनीक से किसानों को स्मार्ट खेती, मौसम की सटीक जानकारी, और फसल प्रबंधन में मदद मिलेगी। इससे उनकी मेहनत का ज्यादा फल मिलेगा।

आदिवासियों को डिजिटल ताकत: दूरदराज के आदिवासी इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, और सरकारी सेवाएं डिजिटल रूप से आसानी से पहुंचेंगी।

आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़: यह पार्क राष्ट्रीय और वैश्विक डाटा ट्रैफिक को संभालेगा, जिससे सरकारी सेवाएं तेज होंगी और राज्य डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनेगा।

वनमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र में बदलाव पर साय सरकार के विजन पर दी रिपोर्ट

रायपुर। नई दिल्ली में एनसीईआरटी की 59वीं जनरल काउंसिल की बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रतिनिधि के रूप में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप शामिल हुए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शिक्षा को बेहतर बनाने से संबंधित कई अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में एनडीएमएस सम्मेलन केन्द्र, नई दिल्ली में एनसीईआरटी जनरल काउंसिल की 59वीं बैठक में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, नई शिक्षा नीति-2020 की अनुशंसा के अनुरूप पाठ्य पुस्तकों एवं अन्य शैक्षिक सामग्रियों को तैयार किया गया है, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार हो सके। बैठक में एनसीईआरटी के कई प्रस्तावों को भी अनुमोदित किया गया। वन मंत्री ने बताया कि बस्तर क्षेत्र में स्कूल शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ और बस्तर क्षेत्र ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव पर साय सरकार के विजन पर रिपोर्ट भी दी। वन मंत्री ने बताया कि बस्तर के सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा जिला के कई इलाकों में ड्रॉपआउट दर में कमी आयी है। जो विद्यार्थी किसी कारणवस स्कूल छोड़ दिए थे उन्हें विष्णुदेव साय सरकार अभियान चलाकर पुनः स्कूल प्रवेश कराने का कार्य कर रही है।

धर्मांतरित युवक के अंतिम संस्कार को लेकर तनाव चक्काजाम और प्रदर्शन

बकावंड। विकासखंड बकावंड के ग्राम सरगीपाल में एक धर्मांतरित युवक के अंतिम संस्कार को लेकर बवाल खड़ा हो गया है। ग्रामीण अपने गांव में शव न दफनाने पर अड़ गए हैं। वहीं, इसके विरोध में मृतक के परिजन और ईसाई समुदाय के लोग शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने चक्कजाम भी कर दिया।

ग्राम पंचायत सरगीपाल निवासी 35 वर्षीय अजय बघेल बीते 21 अप्रैल को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में भर्ती कराया गया था, जहां आज उसकी मृत्यु हो गई। परिजन अजय के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान ग्राम सरगीपाल और दशापाल के ग्रामीण एकजुट होकर शव को गांव में दफनाने का विरोध करने लगे। ग्रामीणों का कहना था मृतक व उसके परिजन ईसाई धर्म अपना चुके हैं। मृतक के परिवार पहले हिंदू थे इसलिए हिंदू रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाए। वहीं मृतक के परिजन ईसाई धर्म के अनुसार अंतिम संस्कार पर अड़ गए। काफी गहमा गहमी के बाद मृतक के परिजन और ईसाई समुदाय के लोगों ने रोड पर बैठकर चक्काजाम कर दिया। खबर मिलने पर एसडीएम ऋषिकेश तिवारी, तहसीलदार जागेश्वरी गावड़े, थाना प्रभारी डोमेंद्र सिन्हा मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की, लेकिन कोई भी मानने को तैयार नहीं है। ग्रामीणों एवं विश्व हिन्दू परिषद तथा बजरंग दल के लोगों ने कहा कि ईसाइयों के लिए जिला मुख्यालय के समीप करकापाल में कब्रिस्तान उपलब्ध है, वहां अंतिम संस्कार किया जाना चाहिए। विहिप के रवि ब्रम्हचारी, सूरज सिंह चंदेल और सुनील सेठिया ने कहा कि ग्रामीणों के विरोध पर गांव में अंतिम संस्कार नहीं होना चाहिए।

ADVERTORIAL

Apollo HOSPITALS TOUCHING LIVES BILASPUR

डायबिटीज़ में हार्ट और किडनी फेलियर का ख़तरा

बढ़ जाता है इसलिए इनकी देखभाल बेहद ज़रूरी हैं।

डायबिटीज़ से न केवल ब्लड शुगर प्रभावित होता है, बल्कि यह दिल और किडनी के लिए भी गंभीर ख़तरा पैदा कर सकता है। भारत में लाखों लोग डायबिटीज़ से ग्रस्त हैं और उनमें हृदय व गुर्दे की बीमारियों का ख़तरा बढ़ जाता है। अपोलो हॉस्पिटल, बिलासपुर में डायबिटीज़ से जुड़ी जटिलताओं की रोकथाम और प्रभावी इलाज उपलब्ध है।

डायबिटीज़ का हार्ट पर क्या असर होता है?

- **ब्लड वेसल्स को नुकसान:** हाई ब्लड शुगर से हृदय के ब्लड वेसल्स और पतले हो जाते हैं, जिससे हार्ट अटैक का ख़तरा बढ़ जाता है।
- **हाई ब्लड प्रेशर:** डायबिटीज़ के मरीज़ों में हाई बीपी का ख़तरा अधिक रहता है, जो दिल पर दबाव डालता है।
- **कोलेस्ट्रॉल लेवल:** ख़राब कोलेस्ट्रॉल (LDL) बढ़ने से कोरोनरी आर्टरी डिसीज़ हो सकती है।
- **सूजन और हृदय संबंधी समस्याएं:** शरीर में सूजन से हार्ट के फंक्शन पर असर पड़ता है।

डायबिटीज़ का किडनी पर क्या असर होता है?

- **किडनी फेलियर का ख़तरा:** ब्लड शुगर के बढ़े स्तर से किडनी के छोटे ब्लड वेसल्स डैमेज हो जाते हैं।
- **प्रोटीन लीक:** डायबिटीज़ से प्रभावित किडनी, पेशाब में प्रोटीन का रिसाव बढ़ा सकती है, जो शुरुआती डैमेज का संकेत है।

कैसे रखें हार्ट और किडनी को स्वस्थ?

- **स्वस्थ आहार लें:** ताज़े फल, सब्जियां और साबुत अनाज को प्राथमिकता दें।
- **नियमित व्यायाम करें:** हफ्ते में 5-6 दिन 45 मिनट की एक्सरसाइज़ करें।
- **वज़न नियंत्रित रखें:** अतिरिक्त वजन कम करने से डायबिटीज़ से जुड़ी जटिलताओं का ख़तरा घटता है।
- **धूम्रपान छोड़ें:** धूम्रपान दिल और किडनी दोनों के लिए हानिकारक है।
- **नियमित जाँच कराएं:** समय-समय पर ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की जाँच करवाएं।

यदि आपको लंबे समय से डायबिटीज़ है, तो यह जानना ज़रूरी है कि आपके हार्ट और किडनी की स्थिति कैसी है। सही समय पर जाँच और उचित इलाज से गंभीर जटिलताओं को रोका जा सकता है।

हमारे विशेषज्ञ:

डॉ. मनोज राय — वरिष्ठ सलाहकार, इंटरनल मेडिसिन

डॉ. विजय श्रीवास — वरिष्ठ सलाहकार, इंटरनल मेडिसिन

डॉ. कल्पना दास — वरिष्ठ सलाहकार, एंडोक्राइनोलॉजी

डॉ. संध्या चंदेल — सलाहकार, इंटरनल मेडिसिन

डिपार्टमेंट ऑफ़ इंटरनल मेडिसिन एंड एंडोक्रिनोलॉजी

अपोलो हॉस्पिटल, बिलासपुर | 07752-248300-248306

बिलासपुर

रविवार 4 मई 2025

वैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी
वर्ष : 25, अंक : 43
पृष्ठ : 10+8 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 39.9
न्यून. 26.5

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

7 सांसें रोक देने वाले मैच में बेंगलुरु ने चेन्नई को हराया...

विचार पेज
2 जातिगणना के आंकड़ों का ...

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

कहीं टंकी लीकेज तो कहीं बोरवेल सूखे, 277 से ज्यादा ग्रामों में भी पेयजल की सप्लाई नहीं

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

अलग खबर

भारत सरकार ने जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के सभी घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत रायपुर जिले में भी 477 ग्रामों में रहने वाले प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके तहत नल कनेक्शन देने के लिए पाइप लाइन बिछाने से लेकर पानी टंकी निर्माण ▶▶|शेष पेज 6 पर

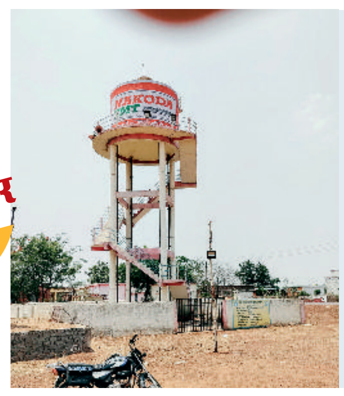

जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में 87 ग्रामों में पाइप लाइन बिछाने व टंकी निर्माण के कार्य

477 में से 200 ग्रामों में ही पानी की सप्लाई

जल जीवन मिशन के तहत जिले में 477 ग्रामों में नल कनेक्शन के माध्यम से घर-घर पेयजल की आपूर्ति का कार्य अगस्त 2019 से शुरू हुआ है, जिसे वर्ष 2024 तक पूर्ण किया जाना था। इस तरह जिले में इस योजना के तहत कार्य शुरू हुए करीब 6 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन अब तक मात्र 200 ग्रामों में ही घर-घर पेयजल की आपूर्ति शुरू हो पाई है। शेष 277 ग्रामों में अभी तक पेयजल पहुंचाया नहीं गया है।

केस:1

तिल्दा क्षेत्र के ग्राम पंचायत खुड़मुड़ी में पाइप लाइन, पानी टंकी निर्माण कार्य पिछले दो साल से अधूरे पड़े हुए हैं। इसके कारण इस गांव में पेयजल की समस्या बनी हुई है।

केस:2

तिल्दा क्षेत्र के ग्राम कोहका में इस योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण कराया गया है, लेकिन यह टंकी में लीकेज है तथा पाइप लाइन बिछाने का कार्य भी अधूरा है। इस कारण इस गांव में भी घर-घर नल कनेक्शन लग नहीं पाए हैं।

केस: 3

ग्राम रजिया, छतोद व घुलघुल में पाइप लाइन बिछाने से लेकर पानी टंकी का निर्माण एवं घर-घर नल कनेक्शन के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, लेकिन इन तीनों गांव में टंकी के बोरवेल सूख चुके हैं, जिसके कारण लोगों के घरों में पेयजल ही नहीं पहुंच रहा है।

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत, आठ घायल

हिम्मतनगर। गुजरात के साबरकांठा जिले में तीन वाहनों की भिड़ंत से हुए सड़क हादसे में बच्ची समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में आठ अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना हिंगटिया गांव के पास राज्य राजमार्ग पर उस समय हुई जब जीप और बस में टक्कर हो गई। इस हादसे के बाद एक मोटरसाइकिल जीप से टकरा गई। उमट ने कहा कि मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति सवार थे। इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और जिनमें से अधिकतर लोग जीप में सवार थे।

राजनाथ 'विक्टरी डे परेड' में नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रूस द्वारा नौ मई को मॉस्को में आयोजित 'विक्टरी डे परेड' में शामिल नहीं होंगे। उनके स्थान पर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ वहां भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। मॉस्को में नौ मई को आयोजित वाले समारोह में रक्षा राज्य मंत्री सेठ को भेजने का कदम पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव मद्देनजर उठाया गया है।

जोधपुर इंटरसिटी के इंजन से धुएं से दहशत

जयपुर। जयपुर-जोधपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के इंजन से धुआं निकलता देख ट्रेन में सवार यात्रियों में दहशत फैल गई। हालांकि किसी तरह की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। यह घटना नागौर जिले के गोटन रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को हुई। इंजन के कुछ हिस्सों के अधिक गर्म हो जाने के कारण इंजन से धुआं निकलने लगा। ट्रेन को गोटन स्टेशन के पास करीब एक घंटे तक रोका गया। उन्होंने कहा, इंजन बदला गया और ट्रेन जोधपुर के लिए रवाना हुई।

ड्रोन से दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ा

बैतूल। मप्र के बैतूल में पहली बार पुलिस ने दुष्कर्म के एक आरोपी को पकड़ने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया, जो 10 माह से छिपता फिर रहा था। पुलिस ने दो दिन तक ड्रोन का इस्तेमाल करके आरोपी अमित मालवीय (27) की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में उसे पकड़ लिया। हमने दो दिन तक आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया और 29 अप्रैल को आरोपी को उस वक्त पकड़ लिया जब वह अपने घर में घुस रहा था। जैसे ही मालवीय परिसर में दाखिल हुआ, पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया।

भारत का एक और कड़ा एक्शन, सभी तरह की आदान-प्रदान रोके गए

पाक से आयात पर रोक, डाक-पार्सल सेवा बंद, जहाजों के प्रवेश पर पाबंदी

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच हवाई और जमीनी मार्गों के माध्यम से पड़ोसी देश के साथ सभी श्रेणियों के डाक और पार्सल का आदान-प्रदान शनिवार को बंद कर दिया। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। सेवाओं को बंद करने का आदेश डाक विभाग द्वारा जारी किया गया, जो संचार मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। आदेश में कहा गया, भारत ने हवाई और जमीनी मार्गों के माध्यम से पाकिस्तान के साथ सभी श्रेणियों के डाक और पार्सल का आदान-प्रदान स्थगित करने का फैसला किया है। वहीं, नौवहन महानिदेशालय (डीजीएस) के अनुसार, भारतीय बंदरगाहों में पाकिस्तानी जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के अलावा, भारत ने भारतीय जहाजों को पाकिस्तानी बंदरगाहों पर जाने से भी रोक दिया है। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमले के सीमा पार संबंधों के मद्देनजर इस्लामाबाद के खिलाफ नए दंडात्मक कदम के रूप में भारत ने शनिवार को पाकिस्तान के साथ सभी डाक सेवाएं स्थगित कर दीं। भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा पाकिस्तान से आने वाली चीजों पर अब पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। यह पाकिस्तान पर गहरी चोट है।

दो और सख्त फैसले

1 भारत ने डायरेक्ट और इनडायरेक्ट आयात पर बैन लगा दिया है। भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी जहाजों के आने पर भी रोक लगा दी है।

2 सरकार ने सभी डाक सेवाएं भी पाकिस्तान के लिए बंद कर दीं।

भारत से क्या-क्या चीजें जाती थीं पाकिस्तान?

दोनों देशों के बीच व्यापार प्रतिबंध होने से पहले भारत मुख्य रूप से कपास, केमिकल, फूड प्रोडक्ट्स, दवाइयां और मसाले निर्यात करता था। इसके अलावा, चाय, कॉफी, रंग, प्याज, टमाटर, लोहा, इस्पात, चीनी, नमक और ऑटो पार्ट्स जैसी चीजें भी तीसरे देशों के माध्यम से भेजता था।

बंदरगाह पर पाकिस्तान जहाजों को भी किया बैन

भारत सरकार के शिपिंग महानिदेशालय ने पाकिस्तान के झंडे वाले जहाजों को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर जाने से प्रतिबंधित करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही, भारतीय झंडे वाले जहाजों को पाक के किसी भी बंदरगाह पर जाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

कोलंबो में विमान की तलाशी

पहलगाम हमले से जुड़े कुछ संदिग्ध आतंकी चेन्नई से कोलंबो भागने की कोशिश कर सकते हैं। इसी सूचना के आधार पर चेन्नई से श्रीलंकाई एयरलाइंस की फ्लाइट यूएल 122 को शनिवार को कोलंबो के बंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष सुरक्षा जांच के लिए रोका गया। इसके तुरंत बाद दिल्ली से कोलंबो हवाई अड्डे को 'अलर्ट' पर रखा गया।

न्यायिक जांच के आदेश

मंदिर में उत्सव के दौरान भगदड़ दो महिलाओं समेत छह की मौत

एजेंसी ▶▶| पणजी

उत्तरी गोवा के एक मंदिर में शनिवार तड़के एक उत्सव के दौरान भगदड़ मचने से दो महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना पणजी से लगभग 40 किलोमीटर दूर शिरगांव के श्री लईराई देवी मंदिर में तड़के करीब तीन बजे हुई। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भगदड़ की घटना की मजिस्ट्रेट से जांच कराने की घोषणा की। पुलिस ने बताया कि हजारों श्रद्धालु वार्षिक उत्सव श्री लैराई जात्रा में भाग लेने के लिए मंदिर की संकरी गलियों में उमड़ पड़े।

क्यों मची भगदड़

महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों के 30 से 40 हजार लोग यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। भीड़ मंदिर की ओर जा रही थी, तभी एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। इसके बाद पीछे से आ रहे लोग भी एक-दूसरे पर गिरते चले गए। 40 से 50 लोग इस दौरान नीचे गिर गए। इसके बाद अफरा-तफरी होने से भगदड़ मच गई।

श्री लैराई जात्रा

श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है। इसमें गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु आते हैं। जात्रा 2 मई की शाम से 3 मई की सुबह तक आयोजित की गई थी। इसी दौरान हादसा हुआ।

80 घायल, पांच गंभीर

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने बताया कि लगभग 80 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 13 वर्तमान में गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसी) में भर्ती हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से पांच की हालत गंभीर है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है, जबकि शेष को विशेष रूप से बनाए गए आपातकालीन वार्ड में रखा गया है। उन्होंने बताया कि दो महिलाओं सहित छह लोगों को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया।

नीट आज : दिशा-निर्देश पहले ही जारी

पारंपरिक कपड़े पहने तो पहुंचना होगा सबसे पहले जांच में लगेगा समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नीट का आयोजन आज दोपहर 2 से 5 बजे तक होगा। एडमिट कार्ड अपलोड किए जाने के साथ ही परीक्षा संबंधित दिशा-निर्देश भी छात्रों के लिए जारी कर दिए गए थे। जो छात्र परीक्षा में पारंपरिक परिधान पहनकर आएंगे उन्हें 12.30 तक केंद्र पहुंचना होगा, ताकि उनकी तलाशी के लिए समय मिल सके। परीक्षा केंद्र पर 1 बजकर 30 मिनट पर ताला लगा दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा 2 बजे प्रारंभ होगी, जो 5 बजे तक चलेगी। बीते सत्रों की तरह इस बार भी छात्रों को लंबे बाह वाले कपड़े, जूते, घड़ी सहित किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पहनने की अनुमति नहीं है। हालांकि गर्मी को देखते हुए पानी की पारदर्शी ▶▶|शेष पेज 6 पर

- छग के सभी जिलों में केंद्र, अकेले रायपुर में 27 सेंटर

यह नहीं पहन सकते...ख्याल रखें

बे बाह वाले कपड़े, जूते, घड़ी, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स

बी सेक्शन में नहीं आएंगे ऑप्शनल सवाल

इस साल एनटीए ने नीट यूजी के पेपर पैटर्न में संशोधन कर दिया है, जिसमें 'बी' सेक्शन में ऑप्शनल सवाल अब नहीं आएंगे, इन्हें एनटीए ने हटा दिया है। गौरतलब है कि एनटीएन ने कोविड-19 महामारी के दौरान सेक्शन बी के ऑप्शनल क्वेश्चन शुरू किए थे, जिसमें छात्रों के पास 15 प्रश्नों में से 10 प्रश्नों को हल करना होता था। अब नीट 2025 के पेपर में कुल 180 सवाल पूछे जाएंगे, जो 720 नंबर के रहेंगे यानी कि एक सवाल 4 नंबर के पूछे जाएंगे। पेपर में माइनस मार्किंग भी हैं। एक गलत जवाब के लिए आपके सही सवाल में से एक अंक काट लिए जाएंगे।

तीर्थयात्रियों के लिए सुविधा

केदारनाथ यात्रियों के लिए मुफ्त वाईफाई

एजेंसी ▶▶| देहरादून

केदारनाथ आने वाले तीर्थयात्रियों को इस हिमालयी मंदिर और उसके आसपास मुफ्त, हाई-स्पीड वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। सफल परीक्षण के बाद शनिवार को यह सुविधा शुरू की गई। मुख्य विकास अधिकारी जी एस खाती ने बताया कि तीर्थयात्री अपना मोबाइल नंबर पंजीकृत कराकर और 'वन-टाइम पासवर्ड' सृजित कर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

आपदा में जीवन रेखा

जुलाई 2024 के केदारनाथ 'ट्रैक रूट' आपदा के दौरान, जब अन्य मोबाइल नेटवर्क पूरी तरह से काम करना बंद कर चुके थे, तब यह प्रणाली यात्रियों, मजदूरों और बचाव दलों के लिए जीवन रेखा बन गई।

गरियाबंद में 8 लाख का ईनामी नक्सली ढेर एसएलआर और विस्फोटक सामग्री बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद/ मैनपुर

गरियाबंद जिले के थाना जुगाड़ क्षेत्र के ग्राम मोतीपानी के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में 8 लाख रुपए का ईनामी नक्सली डीव्हीसीएम योगेश मारा गया। सुरक्षा बलों ने मौके से एक ऑटोमेटिक एसएलआर रायफल समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। जिला बल ई-30 गरियाबंद व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम 2 मई को शाम लगभग 6 बजे ▶▶|शेष पेज 6 पर

सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी

घटना के बाद सुरक्षाबलों द्वारा पूरे क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जिला मुख्यालय लौटने के बाद मारे गए नक्सली के शव और बरामद सामग्री को वैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई के लिए भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि अभियान और तेज किया जाएगा।

नक्सली पर पहले से थे कई गंभीर अपराध दर्ज

पुलिस के अनुसार मारे गए नक्सली योगेश पर थाना मैनपुर में अपराध क्रमांक 31/2025 दर्ज है। उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 308 बीएनएस, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3, 5, साथ ही छत्तीसगढ़ विशेष जनसुरक्षा अधिनियम 2025 की धारा 3 और 10 समेत कई संगीन धाराएं दर्ज थीं। ये मामला 20 मार्च 2025 को ग्राम बेगरपाला मरदकला के मध्य पहाड़ी जंगल क्षेत्र में नक्सली वारदात से जुड़ा है।

घंटों पड़ा रहा सड़क के किनारे, किसी ने नहीं दिया ध्यान

युवा व्यवसायी स्कूटी कर रहा था स्टार्ट, अटैक आया, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सरगुजा में अब साइलेंट हार्टअटैक के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। एक बार फिर हार्ट अटैक से एक युवा व्यावसायी की मौत हो गई। मृतक को स्कूटी स्टार्ट करते समय अटैक आया और वह जमीन पर गिर गया। बड़ी बात यह है कि जमीन पर गिरे युवक पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। जब तक लोगों का ध्यान युवक पर गया काफी देर हो चुकी थी। युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अब युवक को हार्ट अटैक आने और उसकी मौत से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि नगर के नवापारा निवासी ▶▶|शेष पेज 6 पर

देर तक सड़क किनारे पड़ा रहा

युवक के जमीन पर गिरने के बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। रात का समय होने के बाद भी संगम चौक के आस पास लोगों की आवाजाही बनी रहती है, लेकिन किसी ने सड़क किनारे गिरे युवक की ओर जाकर नहीं देखा। कुछ समय बाद किसी का ध्यान युवक पर गया तो उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने इंद्रजीत सिंह को मृत घोषित कर दिया।

सीसीटीवी वीडियो हुआ वायरल

अब युवक के हार्ट अटैक से मौत से जुड़ा एक सीसीटीवी वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमे यह नजर आ रहा है कि किस तरह युवक जमीन पर गिर गया। यदि युवक को समय रहते अस्पताल पहुंचाया गया होता तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। इस घटना के बाद परिवार सदमे में है।

पहलगाम आतंकी हमले से सन्न व शोकाकुल देश में सरकार ने राष्ट्रीय जनगणना के साथ जाति गणना कराने का ऐलान कर समूचे आवाम को चौंका दिया है। एक समय तक संसद से सड़क व अदालत तक पीएम नरेन्द्र मोदी नीत राजग सरकार और भाजपा जाति गणना के मुखर विरोधी रहीं, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की जाति गणना की मांग को सामाजिक भेदभाव बढ़ाने वाली बता कर खारिज करती रहीं, हालांकि विपक्ष में रहते हुए भाजपा जाति जनगणना की मांग करती रही थी। जाति जनगणना कराने के कई मायने निकाले जा रहे हैं। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल सरकार के इस कदम को दबाव में लिया गया निर्णय बताते हुए अपनी जीत बता रहे हैं, तो विश्लेषक व राजनीतिक के जानकार मान रहे हैं कि पीएम मोदी ने जाति गणना की घोषणा कर राहुल गांधी व विपक्ष के मुद्दे की हवा निकाल दी है। राष्ट्रीय जनगणना कब होगी, जिसमें जातियों के हिसाब से गिनती होगी, इसकी कोई भी समय सीमा नहीं बताई गई है। वर्ष 2026 में परिसीमन होना है तो माना जा रहा है कि उससे पहले जनगणना हो जाएगी। जाति गणना के बाद आंकड़े जारी होंगे या नहीं, यह भी नहीं पता। इस आंकड़े के राजनीतिक दुरूपयोग तो नहीं होंगे या इससे सामाजिक विभाजन तो नहीं बढ़ेगा यह भी आशंका है। तमाम पहलुओं का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

जातिगणना के आंकड़ों का सदुपयोग हो

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

पहलगाम आतंकवादी हमले और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई और तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल द्वारा जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के निर्णय ने राष्ट्रीय विमर्श को कुछ समय के लिए एक सीमा तक दूसरा मोड़ भी दिया है। हमारे देश में गंभीर दूरगामी परिणाम वाले विषयों के भी राजनीतिक दुरुपयोग करने की ऐसी घातक प्रवृत्ति है जिसमें वास्तविक मुद्दे ओझल हो जाते हैं। भारत की एकता -अखंडता, सामाजिक सद्भाव आदि की दृष्टि से जाति जनगणना ऐसा कदम है जिसके सदुपयोग - दुरुपयोग दोनों की संभावनाएं हैं। 1979 में मंडल आयोग का गठन और इसे राष्ट्रीय स्तर पर 1990 में लागू किए जाने के पीछे राजनीति ही थी।

शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार अचानक जनगणना के साथ जातिगणना करने की घोषणा कर देगी। पूरा देश पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद गुस्से में है, सरकार भी लगातार कठोर तेवर अपनाए हुए है, कूटनीतिक मोर्चे पर सक्रिय होने के साथ पाकिस्तान की घेरेबंदी की जा रही है, कश्मीर के अंदर आतंकवादियों और उनके समर्थकों ,जिन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स कहते हैं के घर ध्वस्त किए जा रहे हैं तथा स्वयं प्रधानमंत्री चीफ ऑफ़ डिफेंस स्टाफ, सेना के तीनों प्रमुखों, प्रमुख मंत्रियों, मंत्रिमंडल की प्रमुख समितियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इन सारी गतिविधियों के बीच अचानक इस निर्णय ने निश्चित रूप से लोगों को चौंकाया है।

राजनीतिक दुरूपयोग की आशंका

निस्संदेह, पहलगाम आतंकवादी हमले और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई और तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल द्वारा जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के निर्णय ने राष्ट्रीय विमर्श को कुछ समय के लिए एक सीमा तक दूसरा मोड़ भी दिया है। हमारे देश में गंभीर दूरगामी परिणाम वाले विषयों के भी राजनीतिक दुरुपयोग करने की ऐसी घातक प्रवृत्ति है जिसमें वास्तविक मुद्दे ओझल हो जाते हैं। भारत की एकता -अखंडता, सामाजिक सद्भाव आदि की दृष्टि से जाति जनगणना ऐसा कदम है जिसके सदुपयोग - दुरुपयोग दोनों की संभावनाएं हैं और उनके खतरे भी बड़े हैं। इसके बावजूद राजनीति होगी और हो रही है। 1979 में मंडल आयोग का गठन, उसकी रिपोर्ट और राष्ट्रीय स्तर पर 1990 में लागू किए जाने के पीछे भी राजनीति थी। इससे शुरू सामाजिक-राजनीतिक- सांस्कृतिक उथल-पुथल का दौर पूरी तरह कभी स्थिर नहीं हुआ क्योंकि इसे वास्तविक सामाजिक न्याय का ईमानदार-जिम्मेदार अंग बनाने की बजाय मंडलवादी नेताओं की अदूरदर्शिता और संकुचित सोच के कारण इसका घातक दुरूपयोग हुआ। पूरे देश की राजनीति और सत्ता संरचना के वर्णक्रम में आमूल बदलाव आया, पर अदूरदर्शी, नासमझ नेताओं और उनके परिवारों के हाथों कई राज्यों की राजनीति केंद्रित होने के कारण देश को ऐसा नुकसान भी उठाना पड़ा जिसकी भरपाई संभव नहीं हो पा रही।

कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां इसे अपनी विजय बता सकती है, क्योंकि पिछले साढ़े तीन वर्षों से ये इसकी आवाज उठा रहे थे। 2024 लोकसभा चुनाव में जाति जनगणना को एक बड़ा मुद्दा बनाया गया। यह भी सच है कि राहुल गांधी जाति जनगणना के साथ संपत्ति सर्वे से लेकर संख्या के आधार पर संसाधनों के बंटवारे जैसे अतिवादी वादे कर रहे थे। भाजपा का पहला स्टैंड था कि यह व्यावहारिक नहीं है और एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय में सरकार ने यही शपथ पत्र दिया था। दूसरी ओर किसी भी मंत्री या नेता ने जाति जनगणना का नाम लेकर विरोध नहीं किया। बिहार में तो तब विपक्ष में रहते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई ने नीतीश कुमार द्वारा जाति सर्वे करने का समर्थन कर दिया। पिछले वर्ष के उत्तरार्ध से मोदी सरकार की ओर से जाति जनगणना करने का संकेत मिलने लगा। जब सरकार की ओर से आगामी जनगणना की बात आई तो गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले वर्ष अगस्त में एक प्रश्न के उत्तर में कहा था कि समय आने पर इसका निर्णय होगा। भारत में मजहब परिवर्तन के बावजूद मुसलमानों में भी पूर्व हिंदुओं की जाति कायम है और उनकी गणना होगी। विपक्ष और आम भाजपा विरोधी इस पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे, यह भी देखना होगा।

मुस्लिम जातियों की भी हो गणना

गणना सभी की होनी है तो उसमें मुस्लिम जातियों की भी होनी चाहिए। देश को पता चलना चाहिए कि जातिविहीन मजहब का भारतीय सच क्या है। राहुल गांधी हो या अन्य नेता जाति जनगणना की मांग का श्रेय लेने के साथ उनका मुसलमानों के अंदर जाति की गणना पर अपना स्टैंड स्पष्ट करना पड़ेगा। ऐसा तो नहीं हो सकता कि भारत में केवल हिंदुओं के अंदर जाति की गणना हो और दूसरे मजहब को इससे अलग रखा जाए। वे कभी भी हिंदुओं से बाहर जाति गणना की न कल्पना करते थे न बात। इसलिए जाति गणना पर राजनीति खासकर श्रेय लेने की राजनीति जितनी मानी जा रही है उतनी सरल सपाट और आसान नहीं है। जाति गणना से संबंधित कुछ बातें अवश्य ध्यान रखनी चाहिए। 2011 की जनगणना के समय भी जाति जनगणना की जबरदस्त मांग उठी थी और संसद का रिकॉर्ड देखें तो भाजपा भी सरकार से इसकी मांग कर रही थी। यूपीए सरकार ने इसे संविधान के तहत जनगणना आयुक्त के अधीन मान्य तरीके से कराने की जगह ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के रूप में कराया तो उसके भी निहितार्थ थे। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की, पूरा परिश्रम करने के बावजूद नहीं कर सकी क्योंकि पूरी रिपोर्ट त्रुटियों से भरी थी। लगभग 46 लाख जातियां और गोत्र आ गए थे। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जाति-जनजाति को छोड़कर अन्य जातियों की गणना नहीं करने का निर्णय लिया तो सोच यही थी कि अंग्रेज जाति भेद उभार कर भारत में अपनी सत्ता बनाये रखने के लक्ष्य से ऐसा कर रहे थे जिससे बचना है। यह सच है कि एक समय सामाजिक दृष्टि से गहरे अन्वेषण और व्यावहारिकता से निर्मित सशक्त जाति व्यवस्था भारत के स्वावलंबी और आदर्श देश का कारण था तो कालांतर में जाति भेद, ऊंच-नीच और छुआछूत ने देश को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया।

क्या ऊंच-नीच व भेदभाव से मुक्ति मिलेगी

ध्यान रखिए कि अंग्रेजों ने 1853 में नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंस में पहली जनगणना कराई और उसके बाद जातिवार गणना का विचार किया। तब सेन्शस एडमिनिस्ट्रेटर एचएच रिजले की अगुवाई में विचार हुआ और किसे व किस जाति का माना जाए, इसके लिए वर्ण व्यवस्था और पेशे के अनुसार जाति समूह बनाए गए। बावजूद 1901 में पहली जनगणना हुई लेकिन अंग्रेजों की दृष्टि से भी जाति पूर्ण जनगणना केवल 1931 में संभव हो सकी। दरअसल, भारत की जाति व्यवस्था को समझना अंग्रेजों के वश की बात नहीं थी। 1901 में 1646 जातियां थी तो 1931 की जनगणना में 4147 और 2011 में करीब 46 लाख। 1980 के मंडल आयोग रिपोर्ट में भी 3428 अन्य पिछड़ी जातियों की सूची थी। एक ही जाति श्रेणी के अलग-अलग राज्य के साथ एक ही राज्य में अलग-अलग नाम और गोत्र हैं। इसलिए शत- प्रतिशत मान्य और सुसंबद्ध जातिगत आंकड़ा देना गणना के बावजूद अत्यंत कठिन होगा। एक उदाहरण देखिए। 1931 में महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग में आने वाली जातियों की संख्या 494 थी, जबकि 2011 की गणना में यह संख्या 4 लाख 28 हजार 677 पाई गई। इससे कल्पना की जा सकती है कि जाति की गणना और फिर संपूर्ण स्पष्ट रिपोर्ट ले आना आसान नहीं होगा। मोदी सरकार ने 2011 की गणना पर गहराई से काम किया, इसलिए उसे इसका अनुभव है। मूल बात इस गणना के उद्देश्य की है। जब अधिसूचना जारी होगी तो पता चलेगा कि सरकार क्या उद्देश्य घोषित करती है। साफ है कि जाति जनगणना के पीछे दूरगामी सोच, भविष्य में उत्पन्न होने वाली प्रतिक्रियाओं को संभालने की तैयारी और उसके सदुपयोग की आधारभूमि होनी चाहिए। विपक्ष के तेवर से साफ है कि इसके बाद इसे मंडल भाग 2 बनाने की रणनीति अपनाई जाएगी। अगर जनसंख्या उनके अनुसार निकली तो आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाने पर राजनीति होगी। उस समय की परिस्थितियों को पहले की पृष्ठभूमि में देखने पर देश में सामाजिक अशांति और उथल-पुथल का डर पैदा होता है। अभी तक नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जाति, आरक्षण और अन्य मुद्दों पर दिखाई गई गंभीरता से उम्मीद की जा सकती है कि सत्ता की राजनीति करते हुए भी इसका हश्र वैसा नहीं होगा, जैसा मंडल और उसके नाम पर निकले नेताओं ने आरक्षण का किया। जाति जनगणना पर निर्णय के एक दिन पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की प्रधानमंत्री से लंबी मुलाकात हुई। इसमें जाति गणना की रूपरेखा और इससे उत्पन्न भविष्य की परिस्थितियों पर भी विस्तृत बातचीत हुई होगी। पिछले वर्ष 2 सितंबर को पलक्कड में आयोजित समन्वय बैठक में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा था कि समाज के वंचित वर्ग के कल्याण के लिए जाति के आंकड़े इकट्ठे करने में समस्या नहीं है। लेकिन यह गंभीर मुद्दा है, राष्ट्र की एकता और अखंडता से जुड़ा है, इसलिए इसका राजनीतिक दुरुपयोग नहीं हो बल्कि उपयोग जन कल्याण के लिए हो। विपक्ष जो आरोप लगाये, संघ को व्यापक उद्देश्य से जाति गणना करने में समस्या नहीं रही है। संघ ने अपना मंतव्य सरकार के सामने स्पष्ट किया होगा। संघ का उद्देश्य हिंदू समाज के अंदर उसके स्व का भाव घनीभूत करते हुए भेदभाव समाप्त कर पूर्ण एकता स्थापित करना है। भेदभावपूर्ण जाति व्यवस्था भारत का मूल नहीं बल्कि कालांतर में विकृत होता गया भयानक सच है।

नकारात्मक मोड का पूर्वोपाय जरूरी

हिंदू समाज को विभाजित कर देश को कमजोर करने के लिए अनेक शक्तियां अंदर और बाहर सक्रिय हैं और जाति गणना की उग्र मांग के पीछे प्रत्यक्ष परोक्ष उनकी भूमिका भी है। जिस तरह राहुल गांधी या अखिलेश यादव सभाओं में पत्रकारों तक की जाति पूछते हुए डराते और शर्मसार करते देखे गए हैं वो भयभीत करने वाला है। यह समाज के वास्तविक वंचितों और पिछड़ों के कल्याण द्वारा जाति भेद समाप्त कर समता पर आधारित समाज निर्मित करने और देश की एकता व अखंडता को सशक्त करने की भूमिका तो नहीं हो सकती। सरकार, भाजपा, संघ तथा सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण में लगे दूसरे संगठनों को संपूर्ण परिस्थितियों की समझ है। इसलिए उम्मीद करनी चाहिए कि जाति के आंकड़े नए सिरे से विभाजन और जातीय विद्वेष, ईर्ष्या , घृणा उभारने का कारण नहीं बनेगा। यह जनगणना 1951 से अब तक की सबसे विस्तृत, व्यापक और समग्र गणना होगी जिसमें जाति गिनना एक भाग होगा। इसमें संभवतः एक-एक परिवार के संपूर्ण आर्थिक, वित्तीय जिसमें संपत्ति, कर्ज, वाहन, पेशा, शिक्षा आदि की संपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है। लेकिन जाति गणना का कारक राजनीतिक वक्तव्य और विमर्श में सबसे प्रबल होता जाएगा, इसकी पूरी संभावना है। मोदी सरकार और देश में सामाजिक सद्भाव तथा राष्ट्रीय एकता अखंडता में निष्ठा रखने वाले ,उसके लिए काम करने वाले संगठनों, समूहों और व्यक्तियों का दायित्व है कि उस विमर्श को नकारात्मक मोड़ लेने से रोकने का पूर्वोपाय करें।

जातिगत जनगणना के हैं बहुआयाम

दृष्टिकोण

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार

आखिरकार केंद्र सरकार ने जाति आधारित जनगणना को हरी झंडी देकर एक अच्छी पहल की है। इस गणना में धार्मिक और आर्थिक आंकड़े तो लिए ही जाएंगे, गरीबी और अमीरी के आंकड़े भी स्पष्ट तौर से रेखांकित हो जाएंगे। विभिन्न धर्मों के धर्मावलंबियों की संख्या भी सुनिश्चित हो जाएगी। हालांकि एक समय जातीय आधार पर जनगणना का विरोध कांग्रेस समेत अनेक राजनीतिक दल इसलिए कर रहे थे कि इससे जातिवाद और मजबूत होगा, जबकि एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में जाति तोड़ने के उपाय होने चाहिए। लेकिन राहुल गांधी ने जातीय जनगणना के पैरोकार बनकर ऐसे हालात पैदा कर दिए कि भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार को यह निर्णय लेना पड़ा। हालांकि भाजपा ने जातीय गिनती का कभी स्पष्ट रूप में विरोध नहीं किया। अलबत्ता देश की हकीकत यह है कि जाति तोड़ने के जितने भी सनातन उपाय किए गये हैं, वे असफल ही रहे हैं। विनायक दमोदर सावरकर ने तो हिन्दुओं का जातिगत ढांचा नष्ट करने का संकल्प भी लिया था, लेकिन वे विफल रहे। गणना की इस प्रणाली से कई अहम और नए पहलू सामने आएंगे।

मुस्लिम समाज में जातिप्रथा पर पर्दा

बृहत्तर हिन्दू समाज (हिन्दू, जैन, बौद्ध, सिख) में जिस जातीय संरचना को ब्राह्मणवादी व्यवस्था का दुष्चक्र माना जाता है, हकीकत में यह व्यवस्था कितनी पुख्ता है, इसका खुलासा होगा। मुस्लिम समाज में भी जातिप्रथा पर पर्दा डला हुआ है। आभिजात्य मुस्लिम वर्ग यही स्थिति बहाल रखना चाहता है, जिससे सरकारी योजनाओं के जो लाभ हैं वे पूर्व से ही संपन्न लोगों को मिलते रहें। जबकि मुसलमानों की सौ से अधिक जातियां हैं, परंतु इनकी जनगणना का आधार धर्म और लिंग है। अल्पसंख्यक समुदाओं में से एक पारसियों की घटती आबादी की स्थिति भी जातीय गणना से साफ होगी। क्योंकि हाल ही में इस समुदाय को प्रजनन सहायता योजना चलाकर जनसंख्या वृद्धि दर बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। पिछड़ों की समृद्ध जातियां, जाति आधारित जनगणना कराए जाने पर इसलिए दबाव डालती चली आ रही थीं, जिसमें पिछड़ों को उनकी जातीय प्रतिशत के हिसाब से आरक्षण सुविधा का लाभ मिले। आर्थिक और शैक्षिक आंकड़े सामने आने पर आरक्षण की सुविधा से यदि धनी पिछड़ों को अलग किया जाता है तो इन आंकड़ों की महत्ता सार्थक होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को चार सौ पार रोकने में जातीय जनगणना और संविधान बदलने के मुद्दे विपक्ष के काम आए। इसी का परिणाम रहा कि उप्र में भाजपा की सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं। इसी के चलते भाजपा स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से दो सीटें पीछे रह गई। पिछड़ने के इस कारण में उप्र के पिछड़ों की नाराजगी दिखाई दी।

आरक्षण जाति उत्थान का मूल नहीं

अतएव भाजपा और संघ असमंजस की स्थिति से उबरे और जातीय आधारित जनगणना कराने का अहम निर्णय ले लिया। जातिवार जनगणना और उससे वर्तमान आरक्षण पद्धति में परिवर्तन की

उम्मीद को लेकर पिछड़े तबके के अलंबदार लालू-मुलायम-शरद का जोर था कि पिछड़ी जातियों की गिनती अनुसूचित जाति व जनजातियों की तरह कराई जाए। क्योंकि आरक्षण के संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 16 की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पहल जरूरी थी। लेकिन आरक्षण किसी भी जाति के समग्र उत्थान का मूल कभी नहीं बन सकता। क्योंकि आरक्षण के सामाजिक सरोकार केवल संसाधनों के बंटवारे और उपलब्ध अवसरों में भागीदारी से जुड़े हैं। इस आरक्षण की मांग शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार और अब ग्रामीण अकुशल बेरोजगारों के लिए सरकारी योजनाओं में हिस्सेदारी से जुड़ गई हैं। परंतु जब तक सरकार समावेशी आर्थिक नीतियों को अमल में लाकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक नहीं पहुंचती तब तक पिछड़ी या निम्न जाति अथवा आय के स्तर पर पिछले छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार नहीं आ सकता। लेकिन यहां सवाल उठता है कि पूंजीवाद की पोषक सरकारें समावेशी आर्थिक विकास की पक्षधर क्यों होगी? देश के राज्यों में ऐसी कई जातियां हैं जो क्षेत्रीयता के दायरे में हैं। इतनी प्रत्यक्ष जातियां होने के बावजूद मुसलमानों को लेकर यह भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि ये जातीय दुष्चक्र की गुंजलक में नहीं जकड़े हैं। दरअसल जाति-विच्छेद पर आवरण कुलीन मुस्लिमों की कुटिल चालाकी है। इनका मकसद विभिन्न मुस्लिम जातियों को एक सूत्र में बांधना कतई नहीं है। गोया, ये इस छद्म आवरण की ओट में सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं पर एकाधिकार रखना चाहते हैं, जिससे इनका और इनकी पीढ़ियों को लाभ मिलता रहे। इसलिए धर्म आधारित मुस्लिम जनगणना में जाति का खाना भी अब सुनिश्चित होगा। इससे तय होता कि किस श्रेणी की कितनी मुस्लिम आबादी है। इनकी शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति भी स्पष्ट होगी। 1931 में हुई जनगणना में बिहार और उड़ीसा में मुसलमानों की तीन बिरादरियों का जिक्र है, मुस्लिम डोम, मुस्लिम हलालखोर और मुस्लिम जुलाहे। बाकी जातियों को किस राजनीतिक जालसाजी के तहत हटाया गया, इसकी पड़ताल हो तो अच्छा है। यदि ऐसा होता है तो वास्तविक रूप से आर्थिक बदहाली झेल रही जातियों को सरकारी लाभ योजनाओं से जोड़ा जा सकेगा। अल्संख्यक समूहों में इस वक्त हमारे देश में पारसियों की घटती जनसंख्या चिंता का कारण है। इस आबादी को बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने प्रजनन सहायता योजना समेत तीन योजनाओं को इसी वित्तीय वर्ष में लागू किया है। सर्वे के मुताबिक पारसियों की जनसंख्या 1941 में 1,14000 के मुकाबले 2011 में केवल 69000 रह गई। बीते दस साल में इनकी आबादी किस हाल में है, इसका खुलासा भी जातीय गणना से होगा।

घुसपैठियों के भी आंकड़े मिलेंगे

2011 की जाति आधारित जनगणना में ऐसे उपायों का भी सख्ती से पालन होगा, जिससे बांग्लादेशी घुसपैठिए इस पंजी में दर्ज नहीं होने पाएं? लेकिन ऐसा नहीं किया गया तो इन घुसपैठियों की भी गिनती हो जाएगी। ये घुसपैठिए देश के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने और सुरक्षा की दृष्टि से भारी बोझ हैं। केंद्र सरकार ने स्वीकार किया है कि देश में दो करोड़ से अधिक बांग्लादेशी नाजायज तौर से रह रहे हैं। अपने मूल स्वरूप में जनसंख्या में बदलाव एक जैविक घटना होने के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक व आर्थिक आधारों को प्रभावित करती है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना, मध्यान्ह भोजन, बीपीएल और एपीएल के माध्यम से आहार का आधार बनाए जाने के कारण भी सटीक जनगणना है। इसलिए जातिवार जनसंख्यात्म लक्ष्य देश के गरीब व वंचित वर्ग को खाद्य और पेयजल जैसी सुरक्षा का उपाय तो बनेंगे ही, सरकारी सेवाओं में आरक्षण किस जाति और वर्ग के अधिक जरूरी है, इसकी भी झलक मिलेगी।

दोधारी तलवार है जातिगत जनगणना

दो टूक

संदीप सृजन

स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार

जातिगत जनगणना एक ऐसा विषय है जो भारत के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में लंबे समय से चर्चा का केंद्र रहा है। यह न केवल सामाजिक संरचना को समझने का एक उपकरण है, बल्कि नीति निर्माण और संसाधन वितरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि इसे सावधानीपूर्वक और जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत को एक अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की ओर ले जा सकता है। जातिगत जनगणना का इतिहास भारत में औपनिवेशिक काल से शुरू होता है। भारत में पहली बार व्यापक जनगणना 1881 में ब्रिटिश शासन के तहत आयोजित की गई थी, जिसमें जाति के आधार पर भी आंकड़े एकत्र किए गए। यह प्रक्रिया 1931 तक नियमित रूप से हर दस साल में दोहराई गई। 1931 की जनगणना में विभिन्न जातियों और उपजातियों की विस्तृत जानकारी प्रकाशित की गई, जो आज भी कई नीतियों और आरक्षण प्रणालियों के लिए आधारभूत डेटा के रूप में उपयोग की जाती है।

1951 में जातिगत गणना बंद हुई

उदाहरण के लिए, 1931 के आंकड़ों के आधार पर ही मंडल आयोग ने 1980 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी। 1941 की जनगणना में भी जाति आधारित आंकड़े एकत्र किए गए, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध और अन्य प्रशासनिक कारणों से इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। आजादी के बाद, 1951 की जनगणना में भारत सरकार ने जातिगत आंकड़े एकत्र करने को बंद करने का निर्णय लिया। केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आंकड़े एकत्र किए जाने लगे, जबकि अन्य जातियों के लिए कोई अलग डेटा संग्रह नहीं किया गया। 2011 में, यूपीए सरकार ने सामाजिक- आर्थिक और जातिगत जनगणना आयोजित की, जो 1931 के बाद पहली बार जाति आधारित डेटा संग्रह का प्रयास था। लेकिन इस सर्वेक्षण के आंकड़े पूरी तरह सार्वजनिक नहीं किए गए और इसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से बिहार में 2023 में आयोजित जाति आधारित सर्वेक्षण ने इस मुद्दे को फिर से राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया। बिहार सरकार ने इस सर्वेक्षण को दो चरणों में पूरा किया, जिसमें पहले चरण में घरों की गिनती और दूसरे चरण में जातियों के आंकड़े एकत्र किए गए। केंद्र सरकार ने शुरू में इस सर्वेक्षण का विरोध किया, लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया। 2025 में, केंद्र सरकार ने घोषणा की कि अगली राष्ट्रीय जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी शामिल किए जाएंगे, जिसे कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स ने मंजूरी दे दी है।

जातिगत गणना के लाभ

जातिगत जनगणना के समर्थक इसे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण उपकरण मानते हैं। जातिगत जनगणना से विभिन्न जाति समूहों की शिक्षा, रोजगार, आय और संपत्ति के वितरण में असमानताओं का सटीक आकलन किया जा सकता है। यह डेटा

नीति निर्माताओं को उन समुदायों की पहचान करने में मदद करता है जो सामाजिक और आर्थिक रूप से सबसे अधिक हाशिए पर हैं। उदाहरण के लिए, बिहार के 2023 सर्वेक्षण ने दिखाया कि 84% आबादी सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिए पर है, जिसने नीति निर्माण में नए दृष्टिकोण को जन्म दिया। सटीक जाति आधारित डेटा के आधार पर सरकारें विशिष्ट समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी विशेष जाति समूह में शिक्षा का स्तर बहुत कम है, तो उनके लिए विशेष शैक्षिक कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। जातिगत जनगणना से यह स्पष्ट हो सकता है कि किन क्षेत्रों या समुदायों में संसाधनों की अधिक आवश्यकता है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जा सकता है जो वास्तव में जरूरतमंद हैं। जातिगत जनगणना से नया डेटा मिलेगा, जिसके आधार पर आरक्षण कोटे को समायोजित किया जा सकता है। जातिगत जनगणना शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के लिए एक मूल्यवान डेटाबेस प्रदान कर सकती है, जिससे सामाजिक गतिशीलता, असमानता और विकास के विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन संभव हो सकता है। जातिगत जनगणना से वंचित समुदायों को उनकी स्थिति सुधारने का अवसर मिलेगा, जिससे सामाजिक एकता मजबूत होगी और लोकतंत्र में उनकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। जातिगत जनगणना के विरोधी इसे सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से हानिकारक मानते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि जातिगत जनगणना से समाज में जातिगत तनाव और ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के आधार पर समूहों में बांट सकता है, जिससे राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना में व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाती है, जिसके दुरुपयोग की आशंका रहती है। यदि यह डेटा गलत हाथों में पड़ता है, तो यह सामाजिक भेदभाव को और बढ़ा सकता है। जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न समुदाय आरक्षण की नई मांगें उठा सकते हैं, जिससे सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50% आरक्षण की सीमा पहले ही कई राज्यों में चुनौती का विषय है। जातिगत जनगणना जाति व्यवस्था को और मजबूत कर सकती है, क्योंकि यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के प्रति और अधिक जागरूक करेगी। इससे आधुनिक लोकतंत्र के 'सार्वभौमिक नागरिक बोध' को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना का डेटा राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति के लिए दुरुपयोग किया जा सकता है। क्षेत्रीय दल विशेष रूप से इसका उपयोग अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए कर सकते हैं।

वर्तमान स्थिति और विश्लेषण

विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट है कि जातिगत जनगणना एक दोधारी तलवार है। एक ओर, यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। यह उन समुदायों को मुख्यधारा में लाने में मदद कर सकता है जो ऐतिहासिक रूप से वंचित रहे हैं। दूसरी ओर, इसके गलत उपयोग से सामाजिक तनाव, राजनीतिक अस्थिरता और जातिगत पहचान को और मजबूत करने का खतरा है। इसलिए, जातिगत जनगणना को लागू करने से पहले कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए। पहला, डेटा संग्रह की प्रक्रिया को पारदर्शी और गोपनीय बनाया जाना चाहिए ताकि व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन न हो। दूसरा, आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त कानूनी ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। तीसरा, जनगणना के परिणामों को केवल सामाजिक कल्याण और नीति निर्माण के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए।

स्टारफिश

स्टारफिश भी एक ऐसा समुद्री जीव है, जो बिना दिमाग के जी सकता है। यह अपने पैरों की मदद से समुद्र की सतह पर चलती है और अपने भोजन को खोजती है। स्टारफिश में एक खासियत होती है कि अगर इसका कोई हाथ कट जाए तो यह उसे फिर से उगा सकती है।इसके अलावा स्टारफिश पानी के माध्यम से भी अपने आसपास के माहौल को महसूस कर सकती है।

बिना दिमाग के जीते हैं ये समुद्री जीव, अंग के उपयोग से समझते हैं आसपास का वातावरण

दिमाग को जानवरों का सबसे जरूरी अंग माना जाता है क्योंकि यह उन्हें सोचने, समझने और निर्णय लेने की शक्ति देता है। हालांकि, कुछ समुद्री जीव ऐसे होते हैं, जिनके पास दिमाग नहीं होता और फिर भी वे जीवित रहते हैं। ये समुद्री जीव अपनी रोजमर्रा की जिंदगी बिना दिमाग के जीते हैं और अपने आसपास की दुनिया को समझने के लिए अन्य अंगों का उपयोग करते हैं। आइए आज हम आपको कुछ समुद्री जीवों के बारे में बताते हैं।

जेलीफिश

जेलीफिश भी एक ऐसा समुद्री जीव है, जिसके पास वास्तव में कोई दिमाग नहीं होता। जेलीफिश अपने शरीर के झिल्लियों के माध्यम से संवेदनाओं का अनुभव करती हैं और अपने पर्यावरण के साथ बातचीत करती हैं। जेलीफिश की कुछ प्रजातियां तो बिना किसी दिमाग के कई वर्षों तक जीवित रह सकती हैं। जेलीफिश समुद्र के गहरे हिस्सों में रहती हैं इसलिए इनके शरीर में किसी भी तरह की जटिल संरचना विकसित नहीं होती है।

समुद्री मकड़ी

समुद्री मकड़ी एक अनोखा समुद्री जीव है, जो बिना किसी दिमाग के भी जीवित रहती है। यह मकड़ी समुद्र के गहरे हिस्सों में पाई जाती है और इसकी खासियत है कि यह अपने शरीर के अन्य हिस्सों के माध्यम से पोषक तत्व ग्रहण करती है। वह पानी में मौजूद ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों का इस्तेमाल करके जीवित रहती है। इस प्रक्रिया को 'डायरेक्ट अब्जॉर्प्शन' कहा जाता है।

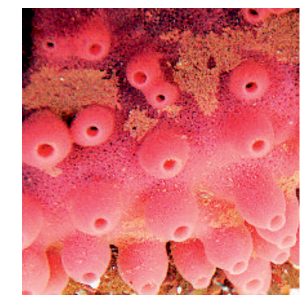

स्पंज

स्पंज एक ऐसा जीव है, जो पानी में पाया जाता है और बिना किसी दिमाग के भी जीवित रहता है। स्पंज अपनी सतह के माध्यम से पानी को अवशोषित करता है और इससे पोषक तत्वों को ग्रहण करता है। स्पंज की संरचना बहुत सरल होती है, लेकिन यह कई प्रकार के पोषक तत्वों को अपने शरीर में जमा कर सकता है। इसके अलावा स्पंज की खासियत यह भी है कि यह समुद्र की गहराइयों में पाया जाता है।

रोचक खबरें

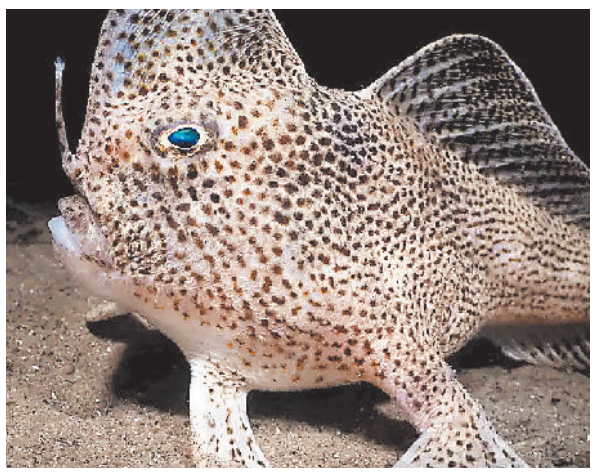

दुनिया की वो रंग-बिरंगी मछली, जो समंदर में चलती है, तैरती नहीं

नई दिल्ली। जंगल और समंदर के कुछ जीव ऐसे हैं जो अब गिने चुने बचे हैं। इन्हें विलुप्त होती प्रजातियों में रखा जाता है। ऐसी ही कुछ मछलियों को ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया द्वीप पर देखा गया है। देखने में यह अजीब सा जीव लगता है। इसके पंख हथेली की तरह दिखाई देते हैं। इसी के सहारे मछली पानी में आगे बढ़ती है। इसका नाम हैंडफिश है। पर्पल, रेड, पिंक कलर की इस फिश को आसानी से पहचाना जा सकता है। ये समंदर के नीचे तली में चलती हैं और अपने शिकार की तलाश में रहती हैं। ये छोटे कीड़े खाती हैं। इन रंगीन मछलियों को बचाने के लिए संरक्षण कार्यक्रम भी चल रहे हैं। पहली बार इन मछलियों को देखने का मौका मिले तो ऐसा लगेगा कि जैसे किसी ने पेंटिंग की हो। तस्मानिया यूनिवर्सिटी ने इसके संरक्षण के मकसद से एक वेबसाइट बनाई है और डोनेशन की पहल कर रही है। बताया गया है कि ये मछलियां ऐसे फैमिली से आती हैं जिनके 'हाथ' काफी बड़े होते हैं और ये तैरती नहीं बल्कि चलती हैं। जी हां, ये वॉक करती हैं। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में कुल 14 हैडफिश की प्रजातियां पाई जाती हैं। इनके रहने की जगह खत्म हो रही है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन भी इन्हें प्रभावित कर रहे हैं।

जापान के इस शहर में लोगों दिनभर में एक बार हंसना है अनिवार्य

जापान को दुनिया का सबसे खुशहाल देशों में से एक माना जाता है। अब यहां के यामागाटा प्रान्त ने एक अनोखा कानून बनाया है, जिसमें नागरिकों को दिन में एक बार हंसना अनिवार्य किया गया है।

यामागाटा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन से प्रेरित इस कानून का उद्देश्य निवासियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाना है। शोध से पता चलता है कि हंसने से हृदय रोग का खतरा कम होता है और दीर्घायु को बढ़ावा मिलता है। यह कानून लोगों को हंसी के लाभों के बारे में बताने और कार्यस्थलों पर हंसी से भरे माहौल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके बावजूद इसे टोरू सेकी और सटोरू इशिगुरो जैसे राजनेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा, जिनका तर्क है कि यह संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। सेकी ने कहा कि हंसना या न हंसना मौलिक मानव अधिकार है, जबकि इशिगुरो ने बीमारी जैसे कारणों से हंसने में असमर्थ लोगों के अधिकारों पर जोर दिया। विवाद के बावजूद, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के काओरी इटो ने कानून का बचाव करते हुए कहा कि यह किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत निर्णय के सम्मान पर जोर देता है और हंसने को मजबूर नहीं करता है। स्थानीय अधिकारियों ने आगे स्पष्ट किया कि रोजाना हंसने में असमर्थ लोगों के लिए नए नियम में कोई दंड प्रावधान नहीं है।

जापान के इस बार में बॉडीबिल्डर महिलायें करती हैं ग्राहकों की पिटाई, ग्राहक देते हैं पैसे

आम तौर पर बार या रेस्टोरेंट में वेटर ग्राहकों की खूब खातिरदारी करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें कोई तकलीफ न हो। हालांकि, जापान में एक ऐसा विचित्र बार है, जहां ग्राहकों की पिटाई की जाती है। इसके लिए बार में कई बॉडीबिल्डर महिलाओं को नियुक्त भी किया गया है। ये सभी महिलायें ग्राहकों को थप्पड़ और लातें मारकर अपनी मेहमान-नवाजी दिखाती हैं। जापान के टोक्यो स्थित इस बार का नाम 'मसल गर्ल्स बार' है, जो फिटनेस थीम पर बना है। इस बार में ब्राजीलियाई जिउ-जित्सु

अभ्यासकर्ता, फिटनेस के प्रति जागरुक महिलायें, पेशेवर महिला पहलवान और अभिनेत्रियां वेट्रेस के रूप में काम करती हैं। ग्राहक वेट्रेस द्वारा थप्पड़ खाने, लात खाने या उठाकर पटके जाने जैसी सेवाओं के लिए उन्हें पैसे देते हैं। ग्राहक जापानी येन खर्च करके 'मसल मनी' खरीद सकते हैं, जो मार खाने के लिए वेट्रेस को दी जाती है। इस बार की मालकिन का नाम हरि है, जो कि एक पूर्व फिटनेस यूट्यूबर हैं। 2020 में उनका जिम बंद होने के बाद हरि ने बार खोला था। इन महिलाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली पिटाई की व्यक्तिगत सेवाओं की लागत 30,000 येन यानि करीब 17,000 रुपये तक हो सकती है। स्क्वाट करते समय ग्राहक इन महिलाओं के कंधों पर भी सवारी कर सकते हैं, जिसका शुल्क ग्राहक के वजन के आधार पर अलग-अलग होता है। हरि बचपन से ही एक उत्सुक वॉलीबॉल खिलाड़ी रही हैं, जिन्हें अपनी ताकत पर गर्व है। हरि ने एक आस्ट्रेलियन ग्राहक को थप्पड़ मारा था, जिसके बाद अन्य ग्राहक उनसे थप्पड़ खाने के लिए आने लगे थे।

दुनिया के ऐसे 5 भयानक युद्ध, जिसमें पूरा का पूरा देश ही हो गया तबाह; भारत ने भी दिखाई थी ताकत

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसा माहौल नजर आने लगा है। भारत जहां पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों को सबक सिखाने के लिए अपनी कमर कस लिया है तो वहीं पाकिस्तान अपनी गीदड़ भभकी करने से बिल्कुल बाज नहीं आ रहा है। फिलहाल, 30 अप्रैल 1975 को वियतनाम का युद्ध खत्म हुआ था, जो 1 नवंबर 1955 से शुरू हुआ था। हम आपको दुनिया की पांच उन युद्धों के बारे में बताते हैं जिसमें पूरा देश ही तबाह हो गया।

वियतनाम युद्ध (1955-1975)

वियतनाम युद्ध शीत युद्ध का हिस्सा था. कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम ने गैर-

कम्युनिस्ट दक्षिण वियतनाम पर हमला किया। अमेरिका 1961 में युद्ध में शामिल हुआ और 1973 में सैनिकों को वापस बुलाया। 1975 में, उत्तर वियतनाम ने दक्षिण पर कब्जा कर लिया। इस युद्ध में लाखों लोग मारे गए।

भारत ने दिखाया दमखम, बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम (1971)

1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) और पश्चिमी पाकिस्तान (अब पाकिस्तान) के बीच नौ महीने का युद्ध हुआ। भारत ने, शरणार्थियों की समस्या के कारण हस्तक्षेप किया। दिसंबर 1971 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, जिससे भारत-पाक युद्ध शुरू हुआ। भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर हावी होकर 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। यह युद्ध बांग्लादेश की स्वतंत्रता के साथ खत्म हुआ।

इराक युद्ध (2003-2011)

2003 में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराक पर हमला किया ताकि कथित सामूहिक विनाश के हथियार नष्ट किए जाएं और सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हो। हथियारों की खबर गलत निकली, जिससे इराक में हिंसा बढ़ी। सद्दाम को पकड़कर फांसी दी गई। 2011 में राष्ट्रपति ओबामा ने अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाया, जिससे नौ साल का युद्ध खत्म हुआ।

अफगानिस्तान युद्ध (2001-2021)

9/11 हमले के बाद अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र गठबंधन ने

अफगानिस्तान पर हमला किया क्योंकि तालिबान ने ओसामा बिन लादेन को सौंपने से इनकार कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने हमले की अनुमति दी। तालिबान सरकार गिरा दी गई, लेकिन तालिबान ने फिर से हमले शुरू किए। 2011 में अमेरिका ने पाकिस्तान में ओसामा को मार गिराया। 2021 में राष्ट्रपति बाइडेन ने सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की घोषणा की। 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया।

कोरियाई युद्ध (1950-1953)

25 जून 1950 को नॉर्थ कोरिया ने सोवियत संघ की सलाह पर साउथ कोरिया

पर हमला किया। नॉर्थ कोरिया का लक्ष्य पूरे कोरिया को कम्युनिस्ट शासन में लाना था। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका साउथ कोरिया की मदद के लिए आया। चीन ने नॉर्थ कोरिया का साथ दिया। इस युद्ध में लगभग 25 लाख लोग मारे गए। जुलाई 1953 में युद्ध खत्म हुआ, लेकिन कोरिया आज भी दो हिस्सों में बंटा है। यह युद्ध शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और रूस के बीच बड़ा संघर्ष था।

दुनिया के सबसे जहरीले सांपों का घर है ये टापू, यहां इंसानों का बचना नामुमकिन!

धरती पर एक ऐसी जगह भी है, जहां कदम रखना मतलब मौत को बुलावा देना। यहां चारों तरफ सिर्फ जहर ही जहर फैला है। हर कोने में मौत घात लगाए बैठी है. यही है दुनिया का सबसे खतरनाक टापू!

स्नेक आइलैंडः खौफ का दूसरा नाम

इल्हा दा क्वेमादा ग्रांडे, जिसे स्नेक आइलैंड कहा जाता है, दुनिया की सबसे खतरनाक जगहों में शुमार है। यह छोटा-सा द्वीप ब्राजील के साओ पाउलो तट से 33 किमी दूर अटलांटिक महासागर में बसा है। यहां हर कदम पर सांपों का सामना होता है, और वो भी इतने जहरीले कि इंसान का बचना नामुमकिन है। इस जगह का नाम सुनते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं!

हर वर्ग मीटर में सांपों का बसेरा

स्नेक आइलैंड की सबसे डरावनी बात यह है कि यहां हर वर्ग मीटर में 3 से 5 जहरीले सांप मौजूद हैं। यानी आप जहां भी कदम रखें, सांपों से सामना तय है। अनुमान है कि इस 43 हेक्टेयर के द्वीप पर हजारों सांप रहते हैं। इनमें से ज्यादातर गोल्डन लैंचहेड वाइपर हैं।

ब्राजील सरकार का सख्त बैन

स्नेक आइलैंड की खतरनाक स्थिति को देखते हुए ब्राजील सरकार ने इस द्वीप पर आम लोगों के जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा रखा है। केवल वैज्ञानिकों और विशेष अनुमति प्राप्त लोगों को ही यहां जाने की इजाजत है। वह भी सख्त सुरक्षा और नौसेना की निगरानी में। यह बैन इस जगह को और भी रहस्यमय बनाता है।

स्नेक आइलैंड का इतिहास

कहा जाता है कि स्नेक आइलैंड का नाम पुर्तगाली भाषा के शब्द "क्वेमादा" से आया है, जिसका मतलब है "जलाया हुआ"।

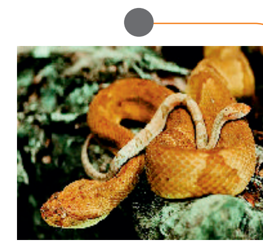

गोल्डन लैंचहेड वाइपर जहर का बादशाह

इस आइलैंड का सबसे खतरनाक निवासी है गोल्डन लैंचहेड वाइपर, जिसे दुनिया का सबसे जहरीला सांप कहा जाता है। इसका जहर इतना खतरनाक है कि यह इंसान के मांस को पिघला सकता है और कुछ ही मिनटों में जान ले सकता है। इस सांप की खासियत यह है कि यह केवल स्नेक आइलैंड पर ही पाया जाता है, और इसकी संख्या 2,000 से 4,000 के बीच मानी जाती है।

क्यों है इतना खतरनाक यह द्वीप?

स्नेक आइलैंड की खतरनाक प्रकृति का राज इसके इतिहास में छिपा है। हजारों साल पहले यह द्वीप ब्राजील की मुख्य भूमि से अलग हो गया था। उस वक्त यहां मौजूद सांपों को जीवित रहने के लिए पक्षियों का शिकार करना पड़ा।

ये जानवर है या पत्थर की फुटबॉल? शख्स ने मारी गोली, तो उल्टा ही पड़ गया दांव

नई दिल्ली। ये बात है साल 2015 की... जब सेंट्रल जॉर्जिया में 54 साल के एक शख्स ने गलती से अपनी सास को गोली मार दी। इस घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। दरअसल 54 साल के लैरी मैकलेरॉय ने अपनी 9एमएम की पिस्तौल से एक आर्माडिलो पर फायर किया था। आर्माडिलो एक ऐसा जानवर है, जिसे बुलेट प्रूफ कहा जाता है। जब पिस्तौल से निकली गोली आर्माडिलो की सख्त चमड़ी से टकराई तो वो उछल कर घर में कुर्सी पर बैठी बुजुर्ग की पीठ में लगी। आर्माडिलो दुनिया के सबसे शातिर जीवों में से एक है। ये बड़े से बड़े हमले में भी खुद को बचा लेने में माहिर है। आज हम आपको इसी विचित्र जानवर के बारे में बताएंगे।

ना गंगा, ना यमुना ये है भारत की सबसे पुरानी नदी गायब हुई नदी आज भी बह रही है धरती के नीचे!

नई दिल्ली। भारत में नदी को देवी का स्थान दिया गया है। इससे लोगों की लोक आस्था जुडी हुई है। नदी के जल से लोग पूजा पाठ भी करते हैं। अमावस्या और पूर्णिमा के दिन गंगा नदी में स्नान करने का विशेष महत्व है। इसके अलावा, गंगा सप्तमी के दिन भी मां गंगा की पूजा का महत्व है। मान्यताओं के अनुसार, गंगा नदी में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। कई लोगों की ऐसी धारणा है कि गंगा भारत की सबसे पुरानी नदी है, लेकिन आज के आर्टिकल में हम आपको यह बताएंगे कि भारत की सबसे पुरानी नदी न ही गंगा है और ना ही यमुना है। भारत की सबसे पुरानी नदी का नाम सुनकर आप सभी को आश्चर्य होगा, क्योंकि धरती के ऊपर से इसका अस्तित्व सैकड़ों साल पहले ही खत्म हो चुका है।

सरस्वती है भारत की सबसे पुरानी नदी

दरअसल, भारत में बहने वाली इस नदी का नाम सरस्वती है, जो कि सबसे पुरानी नदी मानी जाती है। जिसका अस्तित्व सैकड़ों साल पहले धरती के ऊपर से खत्म हो चुका है, लेकिन आज भी यह धरती के नीचे बह रही है। इस नदी की धारा आज भी जमीन के नीचे मौजूद है।

नदी का अवशेष

वैज्ञानिकों की खोजबीन के अनुसार, प्राचीन काल में बहने वाली इस नदी का प्रमाण भी मिला है। उनके अनुसार, हिमालय में आदि बद्री से गुजरात में कच्छ से होकर 5000 किलोमीटर तक जमीन के भीतर जल भंडार का पता चला है। वैज्ञानिकों की मानें तो, सालों पहले यहां भूकंप आने से सरस्वती नदी का पानी नीचे चला गया। हालांकि, आज भी इस नदी के अवशेष घग्गर-हकरा नदी के रुप में मौजूद है।

SBI भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, बलराम टाकीज के पास सिंधी कॉलोनी रोड, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

वाहन हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय बिलासपुर को अपने लीड बैंक अधिकारी कार्यालय, मुंगेली हेतु मासिक किराये पर एक चार पहिया वाहन जो 03 वर्ष से अधिक पुराना न हो की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन निम्नलिखित जानकारियों के साथ समस्त दस्तावेज सीलबंद लिफाफे में क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, बलराम टाकीज के पास, सिंधी कॉलोनी रोड, बिलासपुर में दिनांक 14.05.2025 तक प्रेषित करें ।
अपनी निविदा में निम्नलिखित जानकारी आवश्यक रूप से उपलब्ध कराएँ :-
1. गाड़ी का मासिक किराया, 2. माइलेज प्रति लीटर (एसी युक्त वाहन हेतु) 3. वाहन मालिक द्वारा कोई अन्य शर्तें, 4. निविदा के साथ वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, इन्सुरेंस की प्रति, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन मालिक का के.वाई.सी., कॉमर्शियल परमिट आदि दस्तावेज भी संलग्न करें ।
दिनांक 14.05.2025 के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा मालिकों से प्राप्त आवेदनों के आधार पर वाहन चयन का अंतिम निर्णय क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, बिलासपुर के द्वारा गठित टास्क कमिटी के द्वारा किया जायेगा । किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय लेने के समस्त अधिकार क्षेत्रीय प्रबंधक के अधीन होंगे ।
(नोटः- निविदाएँ बिना किसी सूचना के स्वीकृत या निरस्त करने का अधिकार बैंक अपने पास सुरक्षित रखता है)
प्राधिकृत अधिकारी

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 4 मई 2025

वर्ल्ड लाफ्टर डे स्पेशल

इस बात से शायद ही कोई असहमत होगा कि आज के दौर में हंसना सबसे कठिन होता जा रहा है। जबकि कई स्टडीज से साबित हुआ है और हेल्थ स्पेशलिस्ट भी मानते हैं कि हंसने से अनेक शारीरिक, मानसिक लाभ मिलते हैं। यही नहीं हंसने वाले लोग हर तरह की परेशानियों को बेहतर तरीके से हैंडल भी कर लेते हैं। तो आप भी जी भर हंसिए-खिलखिलाइए।

हर परेशानी को भुलाकर हंसिए-खिलखिलाइए

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
जैसे किसी पुराने दोस्त ने
बिना कहे याद कर लिया हो।
जैसे मां ने सिर पर हाथ रखकर कहा हो
सब ठीक है बेटा।
जैसे किसी शाम हवा ने अचानक खुशबू ला दी हो
जो बचपन में बगिया से आती थी।
कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
और तब लगता है
जिंदगी इतनी भी मुश्किल नहीं...।

-गुलजार

जी हां, इस व्यस्त और तनावभरी जिंदगी में हाल के दशकों में हमने हंसी के बहुत सारे फायदे सुने, जाने और महसूस किए हैं। इसलिए हर साल मई माह के पहले रविवार को मनाया जाने वाला विश्व हास्य दिवस, हर गुजरते साल के साथ दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से लोकप्रियता की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

बेसब्री से लोग करते हैं इंतजार: साल 1998 से मनाया जाने वाला यह हास्य दिवस, कुछ गिने-चुने अंतरराष्ट्रीय दिवसों में से है, जिसका लोग महीनों से इंतजार करते हैं। हालांकि यह इंतजार तो एक बहाना होता है, इसके पीछे छिपी असली बात यह है कि आज हंसी की महत्ता सर्वसिद्ध हो चुकी है। यही वजह है कि आज हास्य दिवस अपनी उपस्थिति से विश्व शांति और वैश्विक चेतना को बढ़ावा दे रहा है। यह दिन हम सबकी जिंदगी के तनाव को कम करता है, मूड को बेहतर करता है, जितनी भी हो सके जीवन को सकारात्मकता देता है। भला इस महंगाई के दौर में हंसी से ज्यादा फायदे का सौदा और क्या हो सकता है, जिसमें एक्सरसाइज भी हो, दवा भी हो और मेडिटेशन भी। हंसने से ये तीनों चीजें एक ही समय भरपूर और पूरी तरह से मुफ्त मिलती हैं। बावजूद इसके हंसना इतना आसान नहीं है, कुदरत की यह दौलत हर किसी को नहीं मिलती। तभी तो प्रेमलाल शिफा देहलवी ने कहा है-

या तो दीवाना हंसे या तुम जिसे तौफीक दो
वर्ना इस दुनिया में रहकर मुस्कुराता कौन है

केवल हंसी नहीं लाफ्टर योगा: साल 1998 में भारत के एक चिकित्सक डॉ. मदनलाल कटारिया ने हास्य दिवस की शुरुआत की थी। उनके मुताबिक यह अपने आपमें एक योग है, इसलिए हास्य को 'लाफ्टर योगा' माना जाता है। हंसना, सेहत के लिए रामबाण है। हंसने से शरीर में खून बढ़ता है, हंसने से हमारे शरीर में एंडोर्फिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं। ये वही हार्मोन या रासायनिक स्राव हैं, जो हमारे दुखों, तकलीफों को चुटकी बजाकर गायब कर देते हैं और हम तरोताजा हो उठते हैं। ये हार्मोन हमारे मूड को बेहतर करते हैं, हमें हल्का-फुल्का महसूस कराते हैं। इसलिए वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि हंसी तनावनाशक है। यह तनाव पैदा करने वाले हार्मोन जैसे कि कॉर्टिसोल का खात्मा करता है।

अनेक देशों में हो रहा पॉपुलर: करीब 27 वर्ष पहले शुरू हुआ लाफ्टर डे, आज दुनिया के 72 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है, इसके पीछे उद्देश्य है गोला-बारूद और व्यापार युद्ध से झुलस रही दुनिया में भाईचारा और सद्भावना बढ़े। इस हास्य योगा मुहिम के जरिए लोग आपस में खुशियां बांटना चाहते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर उनकी तरह ही उनके आस-पास रहने वाले लोग भी हंसेंगे तो खुश रहेंगे, स्वस्थ रहेंगे, सकारात्मक रहेंगे और एक-दूसरे के काम आएंगे। यही वजह है कि आज भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में लोग पार्कों में मॉर्निंग वॉक करते हुए समूहबद्ध होकर हंसने, खिलखिलाने की खूब कोशिश करते हैं। इसीलिए हास्य दिवस की प्रासंगिकता और इसकी स्वास्थ्य संबंधी महत्ता दिन पर दिन बढ़ती जा रही है।

दिल की बीमारियां रहती हैं दूर: हंसना सिर्फ हमारे शरीर में अच्छा अनुभूत होने वाला रासायनिक परिवर्तन ही नहीं करता। यह हमें शारीरिक रूप से भी स्वस्थ करता है। हंसना एक कार्डियो एक्सरसाइज है। हंसने से हमारे दिल की धड़कनें तेज होती हैं, हंसी फेफड़ों तक ज्यादा ऑक्सीजन

पहुंचाती है, एक अच्छी हंसी हमारे ब्लड प्रेशर को संतुलित रखती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का मानना है कि 10-15 मिनट की रोजाना की हंसी हमारी 30 से 40 प्रतिशत तक दिल की बीमारी की आशंका कम कर देती है। हालांकि इसके साथ कुछ और कारक भी होते हैं, लेकिन दिल की सेहत के लिए हंसना बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि हंसने से हमारा इम्यून सिस्टम भी मजबूत रहता है, शरीर की कोशिकाएं सक्रिय रहती हैं, एंटीबॉडीज का उत्पादन लगातार बढ़ता है और यह शरीर को बीमारियों से लड़ने में मजबूत बनाता है।

परेशानियों से दिलाए छुटकारा: कभी-कभी लगता है कि जैसे आज पूरी दुनिया में हंसी के विरुद्ध कोई अघोषित युद्ध चल रहा है। अगर गौर से देखें तो दुनिया की ज्यादातर हरकतें, लोगों के हंसने यानी खुश रहने के विरुद्ध हैं। दुनिया में बढ़ती महंगाई, बढ़े हुए काम के घंटों से व्याप्त तनाव, वर्क फ्रॉम होम के कारण घरों तक चला आया दफ्तर का तनाव, सोशल मीडिया पर होने वाले टेंशनफुल कमेंट्स, वीडियोज और न जाने ऐसी कौन-कौन सी हमारी रोजमर्रा की गतिविधियां हैं, जो कि हमें हंसने नहीं देतीं। हर समय डिप्रेशन और डिजिटल टॉक्सिंस में डुबोए रखती हैं। हंसी इन सबकी अकेली ऐसी काट है, जो हमें इन सब परेशानियों से छुटकारा दिलाती है और डिजिटल जहर को भी बड़ी आसानी से डिटॉक्स कर देती है। इसीलिए दुनिया की अनगिनत परेशानियों से अगर कोई एक ताकत हर समय मजबूती से लड़ते हुए दिखती है, तो वह हंसी ही है। लोमा लिंडा यूनिवर्सिटी के एक शोध में यह सिद्ध हुआ है कि जो लोग नियमित तौर पर कॉमेडी वीडियो देखते हैं, वो परेशानियों से अच्छी तरह से निपट सकते हैं और उनके शरीर की इम्यून प्रतिक्रिया उन लोगों से बेहतर होती है, जो हमेशा गंभीर और तनाव की मुद्रा में रहते हैं। यह अकारण नहीं है कि सोशल मीडिया हो या पारंपरिक टीवी मीडिया, सबसे ज्यादा हंसी ही बिकती है, सबसे ज्यादा कॉमेडी शोज ही देखे जाते हैं। *

कारगर हो रही लाफ्टर थेरेपी

हम सब इस बात से अवगत हैं कि हाल के सालों में जिस तरह से हमारी लाइफस्टाइल ज्यादा व्यस्त, ज्यादा आत्मकेंद्रित हुई है, उसी तरह से हम पर कई तरह के मानसिक अवसादों और विकारों ने हमला किया है। आप यकीन मानिए, आज दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य की सबसे असरदार और सबसे सटीक दवा हंसना ही है। पूरी दुनिया में डॉक्टर लाफ्टर थेरेपी को मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे कारगर दवा मानते हैं। इसे ह्यूमर थैरेपी कहा जाता है और आज यह भारत में बड़े-बड़े संगठनों और कॉरपोरेट मीटिंग्स का हिस्सा बन गया है। अमेरिका से लेकर यूरोप तक आज ह्यूमर थैरेपी या लाफ्टर क्लब 10 बिलियन डॉलर से बड़ा बिजनेस बन चुकी है। इसलिए अगर कोई कहे कि हंसने से क्या मिलता है, तो कहिए यह एक्सरसाइज है, मेडिसिन है और मेडिटेशन भी है यानी थ्री इन वन है। जो हमें खुशी देती है और रोमांचित करती है।

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक-मानसिक गतिविधि माना जाता है। लेकिन हास्य को योगा का स्वरूप देकर पूरी दुनिया में पॉपुलर बनाने वाले डॉक्टर मदन कटारिया ने इसे स्वस्थ-खुशहाल जीवन की कुंजी बना दिया है।

हंसना-योगा साथ-साथ सिखाने वाले डॉ. मदन कटारिया

पर्सनालिटी
शैलेंद्र सिंह

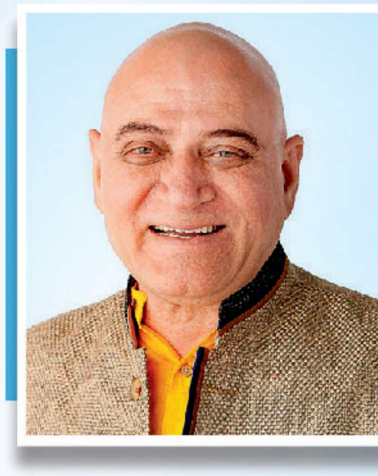

डॉक्टर मदन कटारिया, जिन्हें 'लाफ्टर गुरु' या 'गिगलिंग गुरु' के नाम से भी जाना जाता है, को अगर आधुनिक भारत का हास्य योगाचार्य कहें तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। पारंपरिक योग की तरह ही आज पूरी दुनिया में हास्य योग की लोकप्रियता भी बढ़ती जा रही है। इसे पॉपुलर बनाने में सबसे बड़ी भूमिका रही है डॉक्टर मदन कटारिया की।

31 दिसंबर 1955 को महाराष्ट्र के एक गांव में पैदा हुए मदन कटारिया ने साल 1979 में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर से मेडिकल स्नातक की डिग्री हासिल की और एक सामान्य चिकित्सक की तरह मुंबई के एक अस्पताल में प्रैक्टिस करने लगे। लेकिन उसी दौर से वे मानने लगे थे कि हास्य एक औषधि के रूप में हमें स्वस्थ रखने में सहायक हो सकती है। जिसका सार यह था कि हंसी शरीर में एंडोर्फिन बढ़ाती है और तनाव कम करती है। डॉ. कटारिया को इन शोध ने गहराई से प्रभावित किया। हालांकि यह रिसर्च मूलरूप से उनकी नहीं थी, उन्होंने भी इसे किसी विश्वविद्यालय की रिसर्च के रूप में पढ़ा था, लेकिन इसे पढ़कर उन्हें खुद बहुत खुशी मिली थी और तभी उन्होंने तय कर लिया था कि वह इसे एक चिकित्सा पद्धति के रूप में

विकसित करेंगे। इस तरह अपने मन में पल रहे लक्ष्य को पूरा करने में वह जुट गए।

ऐसे हुई शुरुआत: 13 मार्च 1995 को डॉ. मदन कटारिया ने मुंबई में अंधेरी वेस्ट के लोखंडवाला पार्क में महज 5 लोगों के साथ हंसी के स्वास्थ्य लाभों पर आधारित लाफ्टर क्लब की शुरुआत की थी। आज दुनिया के लगभग 120 देशों में लाफ्टर क्लब्स, जिनकी संख्या 6 हजार से ऊपर है, चल रहे हैं। पूरी दुनिया उन्हें न सिर्फ लाफ्टर गुरु बल्कि हंसी को अमृत चिकित्सा में बदल देने वाला डॉक्टर मानते हैं।

जान लिया था हंसी का रहस्य: वास्तव में अपनी युवावस्था में ही डॉ. कटारिया ने यह रहस्य पा लिया था कि हंसी महज इंसानी गतिविधि भर नहीं है बल्कि यह अपने आप में इंसान को कुदरत से मिला वरदान है। इसलिए उन्होंने आज के इस व्यस्त और तनावग्रस्त दुनिया में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे एक आंदोलन का रूप दिया, जो आज पूरी दुनिया में लाफ्टर मूवमेंट के नाम से जाना जाता है। डॉ. कटारिया का लाफ्टर क्लब की स्थापना के पीछे एक सीधा सा विचार था कि हंसी, दुनिया की सबसे अच्छी दवा है। यदि लोग बिना किसी चुटकुले या कॉमेडी सुने-देखे भी हंसते हैं तो उन पर इस हंसी का सकारात्मक असर पड़ता है।

शुरू किया हास्य योगा: जब डॉ. कटारिया ने देखा कि लोगों को उनकी बातों में आकर्षण महसूस हो रहा है तो उन्होंने अपने इस हंसी योग में सांस लेने की तकनीक को भी शामिल किया और इसे प्राणायाम के साथ जोड़ लिया। जिस कारण आज हास्य योग, बेहद वैज्ञानिक योग में परिवर्तित हो चुका है। हास्य योग हंसने की एक ऐसी वैज्ञानिक विधि है, जो लाफ्टर योगा के रूप में दुनिया के सामने आई है। डॉ. कटारिया ने इस हास्य योग को एक सुप्रबंधित वैज्ञानिक प्रक्रिया में बदलने के लिए हास्य पर कई किताबें भी लिखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है- लाफ फॉर नो रीजन। उन्होंने टेड टॉक्स, बीबीसी और नेशनल जियोग्राफिक जैसे कई अंतरराष्ट्रीय चैनलों में अपने इस हास्य योग के संबंध में लंबे व्याख्यान भी दिए हैं। हंसने को लेकर उनका एक प्रेरणाप्रद विचार है, 'हम हंसते नहीं क्योंकि हम खुश हैं, हम खुश होते हैं, क्योंकि हम हंस सकते हैं।'

ईजाद की नई तकनीक: वास्तव में आज पूरी दुनिया, हंसने को खुश और संतुष्ट रहने का साइंस मानती है। लेकिन शुरू में जब डॉ. मदन कटारिया मुंबई के पार्कों में लोगों को हंसी का महत्व बताया करते थे, तो लोग उनकी बात को मजाक मानकर एक कान से सुनते और दूसरे कान से निकाल देते थे। फिर भी डॉ. कटारिया अपने इस मिशन से पीछे नहीं हटे। कुछ समय बाद डॉ. मदन कटारिया ने जान-बूझकर हंसने यानी सिमूलेटिड लाफ्टर तकनीक विकसित की, जो आज एक योग के प्रारूप में लोगों द्वारा हर दिन अभ्यास की जाती है। लाफ्टर योगा केवल भारत में ही नहीं रुका बल्कि इसकी ख्याति देखते ही देखते साल 2023 तक 110 देशों में फैल चुकी थी। साल 2023 में ही पूरी दुनिया में लाफ्टर योगा कराने वाले क्लबों की संख्या 6 हजार से ज्यादा हो चुकी थी। आज हंसाने वाले उनके ये क्लब स्कूलों, वृद्धाश्रमों, जेलों और मल्टीनेशनल कंपनियों तक में चलते हैं और डॉक्टर मदन कटारिया को आज की दुनिया का हास्य गुरु बनाते हैं। *

हास्य कविता
हरीश कुमार 'अमित'

इक आम न मिलता

कुछ लोगों को काम न मिलता,
लेकिन हमको आराम न मिलता।
दफ्तर की कुर्सी पे दो घंटे,
सोने का इंतजाम न मिलता।
भर-भर थैले फल घर लाऊं,
खाने को इक आम न मिलता।
भरा कबाड़ से है घर सारा,
बेचूं कैसे, सही दाम न मिलता।
पन्ने भर-भर लिखी शायरी,
पर हमको कभी नाम न मिलता।

दर्द-ए-सिर भला भागे कैसे,
ढूंढे पर भी बाम न मिलता।
प्रेम पत्र तो अनगिन भेजे,
उत्तर में पैगाम न मिलता।
खूब लगाते मक्खन अफसर को,
फिर भी कोई ईनाम न मिलता।
रोज न पड़ती डांट अफसर की,
सुबह जो ट्रैफिक जाम न मिलता।
उधार चुकाने वाला हमको,
किसी सुबह, किसी शाम न मिलता।

व्यंग्य
अंशुमाली रस्तोगी

कुछ तो लोग कहेंगे

किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते।

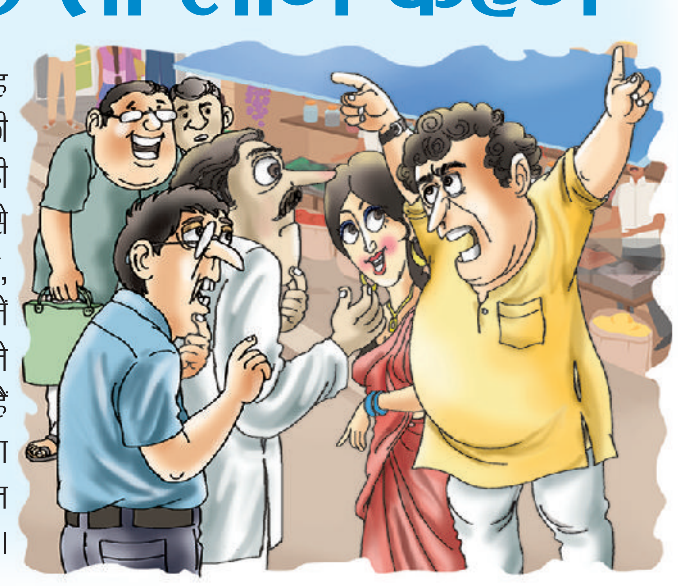

कुछ लोग कहते हैं। लेकिन क्यों कहते हैं, वे भी नहीं जानते। कहना उनकी आदत है। कहना उनकी बीमारी है। नहीं कहेंगे तो उनका दो वक्त का खाना हजम नहीं होगा। जुबान में अटकाहट-सी महसूस होगी। पेट में किसिम-किसिम की मरोड़ें पैदा होंगी।

किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते। परवाह करने लगे तो जमीर टोकेगा कि क्या हो गया है तुम्हें!

वैसे, लोगों के कुछ भी कहने पर एक शोध अवश्य होना चाहिए। आखिर पता तो लगे कि लोग क्यों कुछ भी कह देते हैं? अपने निजी अनुभव के आधार पर कह रहा हूं कि कहने वालों में सबसे बड़ी तादाद पढ़े-लिखे लोगों की होती है। पढ़ी-लिखी जमात ऐसा मानती है कि वो कुछ भी कहने के लिए स्वतंत्र है। अच्छा देखेगी तो कुछ कहेगी। खराब देखेगी तो कुछ कहेगी। गंदा देखेगी तो कुछ कहेगी। महसूस करेगी तो कुछ कहेगी। मतलब, उसे हर वक्त कुछ न कुछ कहना ही है, कहने को वो अपनी शान समझती है। कभी खामोश नहीं रहती। उसके आगे तो प्रायः कैंची भी फेल हो जाया करती है। अकसर सोचता हूं कि यह जमात आखिर ऐसा क्या खाती है, जो कुछ भी कहती रहती है हर वक्त!

जानते हैं, मुझसे लोग इसलिए परेशान रहते हैं कि मैं कभी कुछ क्यों नहीं कहता? मुझे कुरेदते हैं, मुझे उलहाना देते हैं। मुझे लालच तक देते हैं, लेकिन मैं कभी कुछ नहीं कहता। कुछ न कहना, मेरी फितरत में शामिल हो चुका है।

लेखक लोग अपनी किताबें मुझे भेजते हैं। फिर कहते हैं कि मैं उन पर कुछ कहूं। जब कुछ नहीं कहता तो बुरा मान जाते हैं। मुझे मनघुन्ना तक साबित कर देते हैं। तब भी मैं उनसे कुछ नहीं कहता। सोचता हूं कि क्या कहूं? कहने वालों की भीड़ में एक शख्स ऐसा भी तो होना चाहिए, जो कुछ न कहे। कहने वालों को और कहने वालों की, सिर्फ सुने। यही तो मैं करने की कोशिश किया करता हूं। किंतु लोग हैं कि बुरा मान जाते हैं। मेरे कुछ न कहने को 'अदरवाइज' ले लेते हैं। अब जो ले लेते हैं तो लें, मैं ऐसा ही हूं! क्या करूं।

यू नो, लोगों के पास बहुत समय है, लेकिन दूसरों के लिए नहीं, आपस में मिलने-जुलने और बतियाने के लिए नहीं, कुछ भी किसी को भी कहने और लंबी-लंबी बेतुकी चर्चाओं के लिए। कुछ भी कहने के मामले में सोशल मीडिया का हाल सबसे बुरा है। किसी के पन्ने या दीवार पर जैसे ही दस्तक दीजिए, कुछ न कुछ आड़ा-तिरछा कहता हुआ ही मिलेगा। यहां लोग सार्थक बहुत कम लिखते या कहते हैं, ज्यादातर सिर्फ खुन्नस निकालते हैं। वे इसी में खुश हैं, उन्हें लगता है कि ऐसा कर वे बहुत महान काम कर रहे हैं। महान लोगों से सोशल मीडिया का मंच खदबदा रहा है।

आज की तारीख में कुछ भी कहना, दुनिया भर में एक लाइलाज बीमारी-सी बनती जा रही है। जुबान कैंची से अधिक खतरनाक हो चली है। दिल फरेबी हो गए हैं, आंखें शातिरता का पैमाना बन गई हैं। मन कुटिलता में तब्दील होते जा रहे हैं। भावना, संवेदना, सहनशीलता, इंसानियत की बातें किताबों में ही सिमट कर रह गई हैं। अच्छा और मीठा कहते-बोलते लोग कम मिलते हैं। तरह-तरह के उपदेश, प्रवचन और ज्ञान हर किसी के पास बहुत है, मगर व्हाट्सएप के स्टेटस पर चढ़ाने के लिए ही।

कम बोलते लोग मुझे भाते हैं। उनसे ही बोलना मुझे अच्छा भी लगता है। उनके बीच जाकर मुझे सुकून मिलता है। इसीलिए मैं भी कम ही कहता और बोलता हूं ताकि फिजा में प्रदूषित शब्दों का जहर कम घुल सके। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि विगत लगभग एक सदी में मुंशी प्रेमचंद हिंदी के सर्वाधिक पढ़े जाने वाले कथाकार हैं। इसकी वजह है कि जीवन के लगभग हर पक्ष और संवेदना पर उन्होंने मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनकी लगभग 300 कहानियों में से 15 व्यंग्यात्मक कहानियों का संकलन 'प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं' हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इसमें हम (मोटेराम जी शास्त्री, शादी की वजह, दो बैलों की कथा, निमंत्रण, सत्याग्रह, रसिक संपादक, गुरुमंत्र, स्वांग) समेत कई ऐसी मशहूर कहानियां पढ़ सकते हैं, जिसमें समाज, राजनीति, व्यवस्था में व्याप्त विद्रूप और इंसानी चरित्र की निकृष्टता और उसके दोहरेपन पर कटाक्ष किया गया है। इनमें प्रेमचंद बेहद सहजता से चुटकी लेकर पाठक को बहुत कुछ सोचने पर विवश करते हैं। आमतौर पर जीवन की विडंबनाओं से उपजने वाली तकलीफ और करुणा को अपनी कहानियों का विषय बनाने वाले प्रेमचंद की व्यंग्य कथा-लेखक की भी छवि, इन कहानियों से निर्मित होती है। पुस्तक की भूमिका में संपादक ने उचित ही कहा है, 'प्रेमचंद की इन कहानियों में जीवन के अनेक रंग हैं, जो सहज हास्य और शिष्ट व्यंग्य की पगडंडी पर दौड़ते दिखते हैं।' *

पुस्तक: प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं, **संपादन:** पल्लव,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

‘मैं खुद जाऊंगा सीमा पर, फिदायीन बनकर पाकिस्तान पर हमला करूंगा’

एजेंसी ▶▶| बंगलुरू

कर्नाटक के आवास और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान का एक हालिया बयान चर्चा का विषय बन गया है। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच पैदा हुए तनाव को बीच मंत्री जमीर अहमद खान का कहना है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह उन्हें अनुमति दें तो वे पड़ोसी देश से जंग के लिए खुद ही फिदायीन हमलावर बनकर जाने के लिए तैयार हूं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया गया उनका यह नाटकीय बयान तुरंत वायरल हो गया और राजनीतिक हलकों में इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई।

वायरल हो रही वीडियो में कर्नाटक सरकार के मंत्री जमीर खान कह रहे है कि पाकिस्तान हमेशा से ही भारत का दुश्मन रहा है। ऐसे दुख के मौके पर अगर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह मुझे मौका देते हैं तो मैं खुद सीमा पर जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं।

कर्नाटक के मंत्री ने लगाई ‘मोदी, शाह से गुहार

वायरल हुआ बयान, कहा- मुझे दे दें आत्मघाती बम

पहलगाम हमले के बाद देशभर में है पाक को लेकर गुस्सा

हमारा पाक से कोई नाता नहीं

मंत्री जमीर खान यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा, हम सब भारतीय हैं, हम हिन्दुस्तानी हैं। हमारा पाकिस्तान से कोई नाता नहीं है। पाकिस्तान हमेशा से हमारा दुश्मन मुल्क रहा है। मैं पाकिस्तान जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं। मोदी, शाह मुझे आत्मघाती बम दें, मैं बांधकर पाकिस्तान जाऊंगा और हमला करूंगा। मंत्री ने कहा कि वह देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार हैं और उन्होंने केंद्र से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया। खान के इस बयान के बाद आस-पास मौजूद सभी लोग हंसने लगे, लेकिन उन्होंने कहा, “मैं यह मजाक नहीं कर रहा हूं या इसे मजाकिया अंदाज में नहीं कह रहा हूं, मैं इसे लेकर बहुत गंभीर हूं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का सामना करने के लिए हर भारतीय को एकजुट होना चाहिए

टिप्पणी की टाइमिंग

मंत्री जमीर अहमद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ दिनों पहले ही उनकी पार्टी के सहयोगी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की देशव्यापी आलोचना हुई थी कि वह पाकिस्तान के साथ युद्ध के पक्ष में नहीं हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सिद्धारमैया ने कहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई जरूरत नहीं है। कड़े सुरक्षा उपाय शुरू किए जाने चाहिए। हम युद्ध छेड़ने के पक्ष में नहीं है।. शांति होनी चाहिए, लोगों को सुरक्षित महसूस होना चाहिए और केंद्र सरकार को प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

ये है मामला

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते मंगलवार 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर हिंदू हो कहकर गोली मार दी। तीन जुलाई से शुरू होने जा रही श्रीअमरनाथ यात्रा से पहले इस कायराना हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। फरवरी, 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद से जम्मू-कश्मीर में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है। उस हमले में सीआरपीएफ के 47 जवान मारे गए थे।

खबर संक्षेप

म्यूजिकल कॉन्सर्ट विवाद सोनू के खिलाफ एफआईआर

बेंगलुरू। मशहूर प्लेबैक सिंगर सोनू निगम विवादों में घिर गए हैं। गायक के खिलाफ बेंगलुरु के अवलाहल्ली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। सोनू ने हाल में बेंगलुरू में अपना म्यूजिकल कॉन्सर्ट किया था। शिकायत के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब एक छात्र ने गायक से कन्नड़ गाना गाने का अनुरोध किया। जवाब में सोनू निगम ने भड़कते हुए कथित तौर पर कहा, ‘कन्नड़, कन्नड़, कन्नड़... यही कारण है कि पहलगाम में यह घटना हुई,’ सिंगर ने छात्र की रिक्वेस्ट को 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले से जोड़ते हुए फटकारा।

पं. प्रदीप मिश्रा ने दिया पहनावे पर विवादित बयान

सीहोर। सीहोर में हो रहे एक आयोजन में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने लड़कियों को उनकी सुरक्षा का एक ऐसा तरीका बताया है जो विवादों में आ गया। कथावाचक द्वारा महिलाओं के पहनावे को उनके साथ होती आपराधिक घटनाओं का जिम्मेदार बताने के कारण बवाल मच गया है। समारोह में मिश्रा ने कहा कि जिस तरह से तुलसी के पौधे की जड़ दिखने पर वो मर जाता है। उसी तरह से महिला की भी अगर नाभि दिखती है तो उसकी इज्जत चली जाती है। अगर नाभि दिखेगी तो महिला असुरक्षित हो जाएगी और उसके साथ आपराधिक घटनाएं हो जाएगी।

छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने की आत्महत्या

इटावा (उप्र)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के ऊसराहार थाना क्षेत्र के एक गांव में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा ने कथित तौर पर दूसरे समुदाय के एक युवक द्वारा अश्लील मैसेज भेजे जाने से तंग आकर जहर खा लिया और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपी युवक के मुस्लिम होने और पीड़ित छात्रा के हिंदू होने की वजह से गांव में तनाव पैदा हो गया है।

मूकबधिर नाबालिग से दुष्कर्म मिला आजीवन कारावास

इडुक्की (केरल)। केरल की एक अदालत ने चार साल पहले इडुक्की जिले में एक मूक-बधिर लड़की से दुष्कर्म के दोषी 32 वर्षीय व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) शिजो मोन जोसेफ ने बताया कि पेनावु फास्ट ट्रैक अदालत के न्यायाधीश लाइजुमोल शेरिफ ने आरोपी एंटनी को भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई और निर्देश दिया कि उसे मृत्यु तक कारावास में रखा जाए।

संयुक्त राष्ट्र में की अंतरराष्ट्रीय दखल की मांग

पाक ने दुनिया से लगाई ‘बचाने’ की गुहार कहा- काइनेटिक एक्शन करेगा हिंदुस्तान

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने भारत-पाक के बीच तनावपूर्ण स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय दखल की मांग की है। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से पाकिस्तान ‘काइनेटिक एक्शन’ के खतरे का सामना कर रहा है, ऐसे में दुनिया इस तरफ ध्यान दे। उन्होंने कहा कि भारत पर तनाव कम करने की दुनिया की अपील का कोई खास असर नहीं हो रहा है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस मामले में ज्यादा सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव की वजह पिछले महीने कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला है, इसमें 26 लोगों की जान गई है। भारत की ओर से इस हमले के लिए पाकिस्तान पर उंगली उठाई है। आसिम इफ्तिखार अहमद ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की है। अहमद ने उन्हें भारत और पाकिस्तान दोनों का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया है। ताकि पहलगाम के मुद्दे पर वह खुद चीजों को देख सकें। हालांकि भारत का रुख पाकिस्तान के साथ विवाद में किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी नहीं करने का रहा है। ऐसे में ये बहुत संभव नहीं लग रहा है।

पहलगाम आतंकी अटैक के बाद है तनाव का माहौल

संयुक्त राष्ट्र महासचिव से दौरा करने की मांग की

संयुक्त राष्ट्र तक लेकर जाएंगे मामला

भारत के साथ तनाव पर आसिम ने कहा कि पाकिस्तान इसे लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने पर विचार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के साझा दोस्तों को तनाव कम करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। उन्होंने कहा, ‘भारत-पाक संघर्ष के दूरगामी और विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए हम बातचीत पर जोर दे रहे हैं। इंटरनेशनल कम्युनिटी को भी हस्तक्षेप तेज करने की जरूरत है। आसिम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से हालिया दिनों में दो बार मुलाकात की है।

तनाव के बीच अब्दाली मिसाइल का परीक्षण भी किया

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तान ने शनिवार को अब्दाली मिसाइल का परीक्षण किया है। अब्दाली हथियार प्रणाली, 450 किलोमीटर की रेंज वाली सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। पाकिस्तान की ओर से यह परीक्षण ऐसे समय किया गया है, जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस प्रक्षेपण का उद्देश्य सैनिकों की अभियानगत तत्परता सुनिश्चित करना और मिसाइल की उन्नत नौवहन प्रणाली तथा उन्नत गतिशीलता विशेषज्ञताओं सहित प्रमुख तकनीकी मापदंडों की जांच करना था। सेना ने अभ्यास के बारे में विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि मिसाइल प्रक्षेपण ‘अभ्यास इंडस’ का हिस्सा था, जो सफल रहा है। प्रशिक्षण प्रक्षेपण में सेना सामरिक बल कमान के कमांडर, सामरिक योजना प्रभाग, सेना सामरिक बल कमान के वरिष्ठ अधिकारी आदि मौजूद थे।

गल्फ देशों की शरण में पहुंचे पीएम शरीफ

प्रधानमंत्री शहबाज ने क्षेत्र के वर्तमान राजनीतिक माहौल पर अन्य देशों के साथ अपनी बातचीत जारी रखी। शुक्रवार को पाकिस्तान में सऊदी अरब के राजदूत नवाफ बिन सईद अल-मलिकी के साथ हुई मुलाकात के बारे में पीएमओ के बयान में कहा गया, ‘उन्होंने सऊदी अरब समेत भाईचारे वाले देशों से क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए भारत पर दबाव बनाने का आग्रह किया। उन्होंने दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए पाकिस्तान की इच्छा दोहराई।’ प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान में संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत हमद ओबैद इब्राहिम सलेम अल-ज़ाबी के साथ एक अलग बैठक में भी इसी तरह का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री शहबाज ने कुवैत के राजदूत नासिर अब्दुलरहमान जस्सर से भी मुलाकात की।

आतंकवाद मानवता के लिए बड़ा खतरा, आतंकियों के मददगारों को भी नहीं छोड़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ सख्त और निर्णायक कदम उठाए जाएंगे।

राजधानी दिल्ली में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ लौरेंको के साथ एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ‘हम दोनों इस बात पर सहमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है।’ प्रधानमंत्री ने इस हमले में जान गंवाने वालों के लिए दुख जताया और कहा, ‘मैं पहलगाम हमले में जानमाल के नुकसान पर संवेदना जताने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला का धन्यवाद करता हूं।’ इससे पहले

पीएम मोदी ने फिर किया बड़ा ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के एक कार्यक्रम में बोलते हुए पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने हमले के दोषियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत आतंकवादियों और उनके समर्थकों का हर हाल में पीछा करेगा और उन्हें सजा दिलाकर ही दम लेगा।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस

प्रधानमंत्री ने कहा, ‘बिहार की धरती से मैं पूरी दुनिया को यह साफ संदेश देना चाहता हूं — भारत हर आतंकवादी और उनके समर्थकों को ढूंढ़ निकालेगा, उनकी पहचान करेगा और उन्हें सख्त सजा देगा। हम उन्हें धरती के किसी भी कोने में छिपे रहें, वहां तक पीछा करेंगे।’ प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ किया कि सरकार की नीति आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की है और जो भी इस हमले में शामिल है, उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, ‘चाहे कोई सीधे हमले में शामिल हो या पर्दे के पीछे साजिश रच रहा हो – किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। भारत पूरी ताकत के साथ इसका जवाब देगा।’

आतंकियों के घरों में जाती थीं महबूबा कश्मीरी पंडितों को किसने मारा?

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती पर शनिवार को निशाना साधा। दरअसल, पहलगाम हमले के पीछे स्थानीय लोगों के सपोर्ट वाली बात की महबूबा मुफ्ती ने आलोचना की थी। इसे लेकर फारूक ने कहा, ‘34 साल हो गए। इसकी शुरुआती किसने की। वे कौन लोग थे जो बाहर गए और वापस आए। वे कौन थे जिन्होंने हमारे पंडित भाइयों को यहां से निकाला।

इसका जवाब दीजिए। मैं जिन जगहों पर नहीं जा सकता था, वहां ये (महबूबा मुफ्ती) जाती थीं... उन आतंकियों के घरों में।’ उन्होंने कहा कि मुफ्ती की हर बात का मैं जवाब दूं तो अच्छा नहीं लगेगा। मैं महबूबा से कहूंगा कि ऐसी बातें ना करें। हम कभी आतंकवाद के साथ नहीं रहे और ना ही रहेंगे। ना हम कभी पाकिस्तानी थे, ना हैं और ना होंगे। हम भारत का अटूट अंग हैं और हम भारत का मुकुट हैं।

पीडीपी चीफ की आलोचना से भड़के फारूक अब्दुल्ला

ऐसे हुई दोनों के बीच बहस की शुरुआत

फारूक ने कहा था कि पहलगाम जैसे हमले बिना लोकल समर्थन के नहीं हो सकते। इस पर एनसी प्रमुख ने कहा था, ‘मुझे नहीं लगता कि ये चीजें तब तक हो सकती हैं जब तक कोई उनकी मदद न करे। इसी की आलोचना करते हुए महबूबा ने कहा था कि अब्दुल्ला की टिप्पणी न केवल भ्रामक है, बल्कि घातक भी है। इससे मीडिया चैनलों को कश्मीरियों तथा मुसलमानों को और अधिक बदनाम करने का मौका मिल रहा है।’

दीक्षांत समारोह में छलकी खुशी...

जबलपुर। मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू) के दूसरे दीक्षांत समारोह के दौरान शनिवार को छात्र खुशी मनाते हुए।

पाक ने एलओसी पर तोड़ा, लगातार 9वीं रात सीजफायर

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की नापाक हरकतें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीती नौ रातों से लगातार पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के गोलीबारी की जा रही है। कुपवाड़ा, उरी और अखनूर क्षेत्रों में पाकिस्तान की सेना ने एक बार फिर से संघर्षविराम का उल्लंघन किया, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है जब 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। तीन दिन पहले भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि निरंतर सीजफायर उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पहलगाम हमले का असर, संख्या में आई 50 फीसदी तक की कमी

करतारपुर कॉरिडोर पर आधे से भी कम हो गए श्रद्धालु

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले का असर करतारपुर कॉरिडोर से होकर गुरु नानक देव जी से जुड़े गुरुद्वारे श्री दरबार साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं पर भी पड़ा है। श्री दरबार साहिब गुरुद्वारा जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में 50 फीसदी तक की कमी आई है।

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक का निधन यहीं पर हुआ था और उनकी स्मृति में ही यह गुरुद्वारा बना हुआ है। यह पाकिस्तानी पंजाब के नारोवाल जिले में पड़ता है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 पर्यटकों को आतंकियों ने धर्म पूछकर मार डाला था। इसके जवाब में भारत सरकार ने अगले ही दिन सिंधु जल समझौते को रद्द कर दिया था। इसके अलावा कूटनीतिक संबंधों को भी डाउनग्रेड किया गया था। इसके तहत भारत में स्थित पाकिस्तान के राजनयिकों की संख्या कम की गई है। इस हमले के तत्काल बाद भारत ने अटारी वाघा बॉर्डर को बंद कर दिया था। लेकिन करतारपुर कॉरिडोर को दोनों देशों में से किसी ने भी बंद करने की पहल नहीं की है। फिर भी ऐतिहासिक गुरुद्वारे जाने वाले लोगों की संख्या आधे से भी कम हो गई है।

पाकिस्तानी पंजाब के नारोवाल जिले में पड़ता है करतारपुर कॉरिडोर

वाघा बॉर्डर बंद होने के बाद ये एकमात्र जमीनी रूट है जो खुला है

लगातार संख्या में कमी

आतंकी हमले के अगले ही दिन करीब 408 श्रद्धालुओं ने सीमा पार की थी। लेकिन 24 अप्रैल से इसमें गिरावट आने लगी। उस दिन 493 श्रद्धालुओं को सीमा पार जाने की अनुमति मिली थी, लेकिन 333 लोग ही गए। फिर अगले ही दिन यह संख्या 308 हो गई। इसके बाद 26 अप्रैल को 208, 27 तारीख को 239 और 28 तारीख को 133 लोग ही गुरुद्वारे पर गए। 29 को 223, 30 अप्रैल को सिर्फ 152 तथा 1 मई को 192 लोगों ने यात्रा पूरी की ।

नानक कस्बे से महज 5 किमी दूर

यह गुरुद्वारा पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक कस्बे से महज 4.5 किलोमीटर की दूरी पर ही स्थित है। मालूम हो कि अटारी-बाघा बॉर्डर बंद होने के बाद ये एकमात्र जमीनी रूट है जो खुला है। वर्ष 2024 में दोनों देश इस कॉरिडोर को पांच साल तक खोलने के लिए राजी हुए थे।

तहव्वुर राणा की लिखावट का लिया गया सैंपल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

26/11 मुंबई आतंकी हमलों के आरोपियों के पटियाला हाउस कोर्ट में पेश होने पर तहव्वुर राणा के वकील पीयूष सचदेवा ने कहा कि आरोपी तहव्वुर राणा को उसकी लिखावट का नमूना लेने के लिए लाया गया और यह न्यायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में किया गया। उसने अदालत के आदेशों का पालन किया है। एजेंसियों ने लोधी रोड स्थित अपने मुख्यालय में आवाज के नमूने एकत्र किए। हस्ताक्षरों की तरह ही लिखावट के नमूनों में सामान्य अल्फा-न्यूमेरिक अक्षर लिए गए। दो दिन पहले ही दिल्ली की एक अदालत ने एनआईए को 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की आवाज और लिखावट के नमूने लेने की अनुमति दे दी थी। एक सूत्र ने यह जानकारी दी थी। विशेष एनआईए न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने यह आदेश 30 अप्रैल को एजेंसी द्वारा दायर एक याचिका पर पारित किया।

पटियाला हाउस कोर्ट पहुंचा मुंबई हमले का गुनहगार

प्रथम पृष्ठ का शेष

धंधा है पर गंदा...

की स्ट्रिप पर अस्सी रुपए और सौ रुपए की स्ट्रिप पर आठ सौ रुपए तक लिखने को तैयार थे।
केस 05 एमआरपी से 80 फीसदी तक बढ़ाकर दे सकते हैं
- रिपोर्टर- रुटीन की दवा डॉक्टर कमीशन पर लिखते हैं। क्या दवा की एमआरपी बदली जा सकती है?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- जी बिलकुल हो जाएगा। हमारे पास मल्टीविटामिन और रुटीन की दवा मिलेगी।
-रिपोर्टर- कितना परसेंट अधिक एमआरपी में दवा दे पाएंगे हमें?
-फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- मल्टीविटामिन की दवाई 120 की है। अब आप डॉक्टर की क्या कमीशन फिक्स करते हैं। 40 से 60 प्रतिशत ऑफ करते हैं तब भी आप फायदे में रहेंगे।
-रिपोर्टर- दवा लेने के लिए क्या करना होगा हमें?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- आपको वेबसाइट बनानी होगी। अगर हमसे दवा लेंगे तो एमआरपी हमारी होगी ब्रांड भी हमारा होगा। हम 25 डिब्बे से कम नहीं देते हैं। एमआरपी के हिसाब से 80 परसेंट बढ़ा कर दे सकते हैं।
केस 06 एक ईमानदार भी मिला, कहा एमआरपी नहीं बढ़ा सकते
-रिपोर्टर- अधिक एमआरपी में दवा आप हमें दे सकते हैं क्या?
-फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- यह तो संभव नहीं है। प्रोडक्ट में जो एमआरपी आप देख रहे हैं उसी में मिलेगी आपको।
रिपोर्टर- डॉक्टर कमीशन में दवा लिखते हैं इसलिए चाहते है अधिक एमआरपी में दवा मिल जाती तो अच्छा होता।
फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- हम यह नहीं कर सकते..।

हमने कहा हम...

चाहते है वह प्रिंट हो सकता है?
-फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- हां प्रिंट हो जाएगा। हमारे कंपनी के बैच से 100 से 150 पैकेट में एमआरपी में बदलाव हो जाएगा। यह एक साल तक मिलेगा आपको।
- रिपोर्टर- क्या सरकार द्वारा तय रेट को बदल सकते हैं?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि - नहीं, उसे हम नहीं बदल सकते हैं। हमारी कंपनी के प्रोडक्ट में एमआरपी आपके अनुसार मिल जाएगी। सरकार ने जिस दवा के दाम तय किए हैं, उसकी एमआरपी बदलने में खतरा है।

हमने कहा-बिरगांव...

गैस्ट्रिक जैसी सामान्य बीमारी से जुड़ी दवाएं चाहिए थी।
-फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- किस दवा को कितनी मात्रा में आप लेते हैं उस हिसाब से एमआरपी में बदलाव हो सकता है।
- रिपोर्टर- आप दवा का एमआएपी कितना बढ़ा कर दे सकते हैं?
फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- अगर कोई दवा डीपीसी में नहीं है तो आप जितना कहेंगे उतनी एमआरपी में आपको दवा हम दें देंगे। जितनी चाहें एमआरपी प्रिंट कर देंगे।

हमने कहा-डॉक्टर...

मैं दवाओं की सूची आपको भेजता हूं। आप उसे चुने फिर मैं आपको बता दूंगा कितना अधिक एमआरपी मिल जाएगा आपको।
रिपोर्टर- जनरल मेडेसिन मिलता है क्या आपके पास?
फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- दवाएं है आप जिस पर्ची में जेनेरिक बना दीजिए हो जाएगा।

फार्मा कंपनी ने...

फीसदी कमीशन कहता है। हमें उससे अधिक दाम में दवा चाहिए।
0 फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- हम आपको 40 परसेंट तक अधिक एमआरपी में दवा दे सकते हैं। 130 की दवा 1 हजार तक कर सकते हैं। 20 प्रतिशत डॉक्टर को देते हैं तो 700 का लाभ आपको मिलेगा।

खसरा अलग, रकबे...

भुगतान अब तक नहीं किया गया है। हरिभूमि को मिले दस्तावेजों में भी इसका उल्लेख है।

रजिस्ट्री में 10...

मुक्ति मिलेगी। रजिस्ट्री कराने वाले हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री से चर्चा में बताया रजिस्ट्री में 15-20 मिनट लगे, साथ ही साथ नामांतरण भी हो गया, इससे लंबे इंतजार से मुक्ति मिली। **यह जनता की इज ऑफ लिविंग को बढ़ाने का कार्य- जैन**-मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने कहा, रजिस्ट्री विभाग में आज लागू हुए नवीन सुधार सरलता, सुगमता और सुविधा की क्रांति के बारे में है। एक साथ लाखों लोगों को सुविधा देने का कार्य इन सुधारों से हो सकेगा। अधिकारियों के अधिकारों को कम करना एक बड़ा विजनरी काम है। उन्होंने कहा, हमें इस कार्य को करने का अवसर मिला। यह जनता की इज ऑफ लिविंग को बढ़ाने का कार्य है।

भारतमाला प्रोजेक्ट...

लोगों के खिलाफ नामजद अपराध दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। भारत माला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में जमीन दलाल हरमीत सिंह खनूजा, विजय जैन, उमा देवी और केदार तिवारी को ईओडब्लू ने गिरफ्तार किया है। इन पर जमीन के फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से करोड़ों रुपए का घोटाला करने का आरोप है। ईओडब्लू में दर्ज एफआईआर के मुताबिक तत्कालीन एसडीएम निर्भय साहू, तहसीलदार शशिकांत कुर्रे, नायब तहसीलदार लखेश्वर किरण और आरआई रोशन वर्मा घोटाले में शामिल हैं। इसके अलावा, पटवारी दिनेश पटेल, जितेंद्र साहू, लेखराम देवांगन और बसंती धृतलहरे के नाम भी एफआईआर में हैं, जो कथित तौर पर इस घोटाले के साजिशकर्ता थे।

आरोपी के अकाउंट...

का आरोप लगाया है। ईओडब्लू ने जिन लोगों के गिरफ्तार किया है, उनके खिलाफ पुख्ता सबूत मिले, इसके बाद उनकी गिरफ्तारी की गई।

कहीं टंकी लीकेज...

भी कराए जा रहे हैं, लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही एवं कामचोरी के कारण अभी तक लक्ष्य की तुलना में 50 प्रतिशत कार्य भी पूर्ण नहीं हो पाए हैं। वहीं जिन ग्रामों में यह कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, उनमें भी अनेकों ग्रामों में पानी की सप्लाई तक शुरू नहीं हो पाई हैं। इसके कई कारण है। किसी ग्राम में पानी टंकी लीकेज है, तो कहीं टंकी के बोरवेल सूख गए हैं, तो कहीं टंकी और पाइप लाइन बिछाने के कार्य अधूरे पड़े हुए हैं। इसके अलावा कई पाइप लाइन कनेक्शन से घरों में काफी कम पानी आ रहा है, जिसके कारण भीषण गर्मी के दिनों में इन ग्रामों में पेयजल की समस्या बनी हुई है। इधर पीएचई विभाग के जिला अधिकारी इस मामले में कुछ भी जानकारी देने से बच रहे हैं। कार्य पूर्ण कराए बगैर कई ठेकेदारों को कर दिया गया भुगतानः जिले में अभी तक जल जीवन मिशन योजना के तहत केंद्र से 1450.91 लाख रुपए एवं राज्य से 5778.43 लाख रुपए कुल 7229.71 लाख रुपए राशि जारी की गई है। जारी राशि के एवज में अब तक संबंधित निर्माण एजेंसियों को ठेकेदारों 6615.71 लाख रुपए का भुगतान भी किया गया है, जो जारी राशि का 95.66 प्रतिशत है। यह राशि जारी होने के बाद भी कई कार्य अधूरे हैं। सूत्रों की मानें, तो अधिकारियों की लापरवाही के कारण कई ठेकेदारों को कार्य पूर्ण हुए बगैर भुगतान कर दिया गया है। यही वजह है कि एडवांस में भुगतान होने के कारण कई ठेकेदारों ने काम अधूरा छोड़कर काम करना बंद कर दिया है। पीएचई विभाग में शिकायत के बाद भी निराकरण नहीं: इस योजना के तहत घर-घर नल कनेक्शन के अधूरे कार्य, बोरवेल सूखने सहित अन्य समस्याओं को लेकर पीएचई विभाग में शिकायत भी की गई है। तिल्दा-नेवरा जनपद पंचायत के सभापति देवव्रत शर्मा ने इस संबंध में 30 अप्रैल को शिकायत भी की थी, लेकिन इन शिकायतों का अभी तक निराकरण नहीं किया गया है। इस शिकायत के साथ उन्होंने इन ग्रामों में पेयजल की समस्या के निराकरण के लिए बोरवेल खनन कर हैंड पंप लगाने की मांग की थी।

पारंपरिक कपड़े पहने...

बोतल साथ ले जाने की अनुमति दी गई है। नीट-यूजी 2025 में 22 लाख से अधिक छात्रों के बैठने की उम्मीद है। यह परीक्षा देश में विभिन्न मेडिकल कोर्सेज की 2.5 लाख सीटों के लिए आयोजित की जा रही है। छत्तीसगढ़ के सभी जिले में इसके लिए परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। रायपुर में 27 केंद्रों में यह परीक्षा होगी। सभी केंद्रों में परीक्षा से पूर्व ही जैमर लगा दिया गया है।

गरियाबंद में 8 लाख...

ग्राम मोतीपानी के मध्य जंगल क्षेत्र में सर्चिंग के लिए रवाना हुई। इसी दौरान नक्सलियों ने घात लगाकर जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए फायरिंग की। करीब आधे घंटे चली इस मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया, जिसकी पहचान डीव्हीसीएम योगेश के रूप में हुई है। योगेश पर शासन द्वारा 8 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। मुठभेड़ के बाद इलाके में की गई सघन सर्चिंग के दौरान एक एसएलआर हथियार, भारी विस्फोटक सामग्री और अन्य नक्सली सामग्री भी बरामद हुई है।

युवा व्यवसायी स्कूटी...

युवा व्यावसायी 35 वर्षीय इंद्रजीत सिंह बाबरा शुक्रवार की रात लगभग 10 बजे किसी काम से घर से निकले थे और रात को संगम चौक के समीप रुके। इस दौरान जब उन्होंने अपनी स्कूटी स्टार्ट करने का प्रयास किया तो वे अचानक ही हार्ट अटैक आने से जमीन पर गिर गए।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

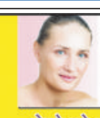
JHAIGO Cream
झाईगो 5+1
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे है?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- डिस्ट्रीब्यूटर के यहां सेल्स, मार्केटिंग, डिलीवरी ब्वॉय, आफिस ब्वॉय आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9958775083 **(37634)**

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट में वेटर लड़का, लड़की, हेल्पर मिस्त्री, रोटी बनाने, बर्तन धोने वाली एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए खाने, रहने की सुविधा पेमेंट योग्यतानुसार पता- पाण्डेय स्वीट्स एंड नमकीन, सरकंडा बिलासपुर 9907748408 **(37632)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल डिलिवरी, पेमेन्ट कलेक्शन हेतु लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन 8000 सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 **(37625)**

आवश्यकता है- चौधरी डेंटल क्लीनिक में कार्य करने के लिए लड़के/ लड़कियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है। पता- पीसी ज्वेलर्स के पास, सीजी प्लाजा, अग्रसेन चौक, बिलासपुर सम्पर्क करें- 7000721533, 99819 09487 **(37635)**

आवश्यकता है- सिविल कार्य हेतु सिविल इंजीनियर एवं सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। केवल अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- आर्किटेक्ट सुमित अग्रवाल, बिलासपुर 9993493390 **(37629)**

आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल मोटर /जनरेटर सर्विस सेंटर में मार्केटिंग कार्य हेतु युवक तथा आईटीआई इलेक्ट्रीशियन की आवश्यकता है। वर्क एरिया संपूर्ण छत्तीसगढ़ 7898900131, 76949 54356 **(389)**

आवश्यकता है- सिरजन ऑटोमोटिव जरहाभाटा महिन्द्रा स्पेयर पाट्र्स शोरूम में पाट्र्स निकालने हेतु एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर- 2, ड्राइवर- 2, सेल्समेन- 1, की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7415894000 **(37617)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं सेल्समैन चाहिये वेतन 5000 से 10000 तक योग्यतानुसार सम्पर्क करें- हरीरामानी एण्ड सन्स शाप नं.- 37 मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 93292 92940, 07752409903 **(500)**

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समय सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 **(37618)**

आवश्यकता है- लड़की स्टाफ चाहिए ऑफिस कार्य हेतु टाइम सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक सैलरी 7000 से 8000 सम्पर्क करें- 9301264242 **(37628)**

आवश्यकता है- रेल्वे कोचिंग डिपो में ट्रेनों की साफ सफाई करने हेतु हाउस कीपिंग सिर्फ पुरुष स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- कोचिंग डिपो, रेलवे माल गोदाम के पास, बिलासपुर 9993378899, 98935 09242 **(1466)**

आवश्यकता है- थोक जूता चप्पल दुकान में मार्केटिंग का कार्य करने हेतु ग्रेजुएट डिग्री प्राप्त सेल्स मैन्स की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार दिया जाएगा सम्पर्क करें- 8602666666 **(37607)**

आवश्यकता है- माड्युलर किचन (फर्नीचर शोरूम) में रिसेप्सनिस्ट (जिसे कम्प्यूटर का अनुभव हो) एवं साफ सफाई हेतु लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. माड्युलर किचन, गुरूद्वारा के पास, दयालबन्द, बिलासपुर 97704 25534 **(37616)**

आवश्यकता है- कैफे में कार्य हेतु फ्रेशर युवक चाहिए। सैलरी योग्यतानुसार 6000 से 8000 सम्पर्क करें- 12बजे के बाद ब्रूबेरी कैफे, अम्बियन्स बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने बिलासपुर 7987926453, 913125 6249, +917752 490692 **(37622)**

आवश्यकता है- यश सुपर बाजार में कार्य हेतु कम्प्यूटर आपरेटर एवं लड़कों की आवश्यकता है। पता- (1) व्यापार विहार रोड, भारतीय नगर चौक (2) रिंग रोड नं.-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9329941444 **(37627)**

आवश्यकता है- एसएस पब्लिक स्कूल बैमा नगोई में ड्राईवर चाहिए। स्कूल बस चलाने हेतु बेलतरा से बैमा नगोई, सीपत से बैमान गोई एवं टाटा सफारी के लिए। सम्पर्क 8349651229 **(37606)**

आवश्यकता है- इंट्रा, जीतो पिकअप चलाने हेतु एक अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है स्थान बिलासपुर वेतन- योग्यता के अनुसार, लाइसेंस के साथ मो 6268970045 **(37591)**

आवश्यकता है- सब्जी मण्डी में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है (काम का समय सुबह 6 से) योग्यता 10वीं/ 12वीं, सम्पर्क करें- 9617118009 (सम्पर्क समय शाम 5 बजे से 7 बजे तक) **(37614)**

आवश्यकता है- अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर जिसे बीजी सॉफ्टवेयर आता हो (महिला/ युवती) एवं अन्य कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- अमर जनरल स्टोर व्यापार विहार बिलासपुर 98274 73604 9131452265 **(37620)**

आवश्यकता है- राजकिशोर नगर में ओला एवं ट्रेवल्स में कार चलाने हेतु दो ड्राइवरों की, सैलरी 10 से 12 हजार तक। संपर्क करेः- 81094 00008, 9243958051 **(37630)**

आवश्यकता है- सरकंडा स्थित MRF टायर शोरूम में बिलिंग हेतु लड़की की एवं टायर फिटिंग के लिए हेल्पर की आवश्यकता है केवल इच्छुक ही सम्पर्क करें- 7055858942 **(37605)**

आवश्यकता है- दुकान कार्य के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है, आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- निर्मित ट्रेडर्स, तेलीपारा बिलासपुर 7974495374 **(37608)**

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में ड्राईवर के लिए लड़के एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियां तथा महिला कुक की आवश्यकता है की सम्पर्क करें- सी-15, ग्राउण्ड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 9752390684, 62645 50163 **(37612)**

आवश्यकता है- कृष्णा फुट वेयर में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की तत्काल आवश्यकता है। सम्पर्क करें- होटल मिड टाऊन के अन्दर, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 9907925025, 79872 10064 **(37603)**

आवश्यकता है- रेल्वे ठेके के अन्तर्गत प्राइवेट कम्पनी में जीप चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार ड्राइविंग लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- 78289 47265, 9109310130, 6261113408 **(37611)**

आवश्यकता है-रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5, 8, 10 पास हाईट 5'-6" इंच, 4 फोटो आधार कार्ड सहित मिले रहने खाने की सुविधा वेतन 14500 से 19000 सम्पर्क करें-81090 70600 **(7086)**

आवश्यकता है- बिलासपुर, जांजगीर, रायगढ़ जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर गन मैन की आवश्यकता है। PF, ESIC, मेडिकल, आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 91111 75190, 9098318675 **(37521)**

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मेडिको पैलेस मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर **(37610)**

आवश्यकता है-(1) कंस्ट्रक्शन ऑफिस में कार्य हेतु साइट सुपरवाइजर, साइट इंजीनियर (2) रियल एस्टेट टेलीकालिंग, सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव युवती की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 **(37450)**

आवश्यकता है- दो ड्राइवर लाइसेंस सहित एवं लाईट डेकोरेशन हेतु दो इलेक्ट्रीशियन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- आर.के. लाइट डेकोरेशन, सूर्या चौक, चिंगराजपारा बिलासपुर मो.- 97705 47599, 9424145055, 9770506151 **(37613)**

आवश्यकता है- CCTV कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग करने के लिए युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, गुप्ता गली, टिकरापारा, मन्नू चौक बिलासपुर 9425530470, 9893281946 **(37600)**

आवश्यकता है- एक एकाउंट असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर (योग्यता कॉमर्स स्नातक) एवं एक गोडाउन सुपरवाइजर की आवश्यकता है कार्य स्थल सिरगिट्टी बिलासपुर इच्छुक उम्मीदवार अपना रिज्यूम वॉट्सएप करें- 9302668010 (कृपया कॉल ना करें) **(37594)**

आवश्यकता है- होटल के लिये इडली, डोसा बनाने वाले अनुभवी कारीगर की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- जैन लस्सी भण्डार जवाली नाला पुल के पास तेलीपारा बिलासपुर 8602681899 **(37595)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में काम करने हेतु-1+ सेल्समैन-1 लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- धनवंतरी मेडिको ट्रेडर्स मसानगंज, बिलासपुर 98271 23009 **(3171)**

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स (पुरूष/महिला), ITI फिटर, ITI इलेक्ट्रिशियन, सिक्यूरिटी गार्ड चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 8357065592 8462933820

आवश्यकता है- नर्सिंग स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शाम 6बजे से शाम 8बजे तक, भार्गव यूरोलॉजी सेन्टर रिंग रोड नं.-2,मंगला चौक बिलासपुर 9407667780 **(37589)**

आवश्यकता है- कपड़े की दुकान में काम करने के लिए हेल्पर, सेल्समैन लड़के, लड़कियो की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- नेमा कम्पनी, सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 7898958865 **(37596)**

आवश्यकता है- ऑफिस/ फील्ड वर्क हेतु अनुभवी युवक चाहिए। उम्मीदवारों को पूर्व अनुभव होना आवश्यक है। सैलरी योग्यता अनुसार। इन्टरव्यू हेतु बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जाजोदिया टाईल्स, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 6260990139 **(37592)**

आवश्यकता है- फील्ड कार्य हेतु लड़के एवं ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक वेतन योग्यता अनुसार पता अभव्या फाइनेंशियल कंसलटेन्सी सर्विसेज प्रा.लि. 73548 66666 **(37582)**

आवश्यकता है-बुकिंग में इनोवा, क्रिस्टा कार चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी ड्रायवर चाहिए जो आटोमेटिक गाड़ी चलाना जानता हो फिक्स वेतन 16000 या 12000+ 100 भत्ता+ 100 नाईट, बाहरी के रहने की व्यवस्था सम्पर्क-सक्षम टूर एण्ड ट्रेवल्स 97554 4037, 6264125145 **(37512)**

आवश्यकता है- गिफ्ट और खिलौना दुकान में काम करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- हिन्दुस्तान टॉयज तेलीपारा बिलासपुर 9827186198 **(37584)**

आवश्यकता है- अनुभवी एवं फ्रेशर सेल्समैन की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- 9425219380, 9425219390 **(37585)**

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड 50 उंचाई 5'-5" योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री खाने की सुविधा दस्तावेज आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंक सूची बैंक पास बुक 8 पासपोर्ट फोटो सम्पर्क करें- शाप नं-8 प्रथम तल कमला सुपर बाजार तेलघानी चौक, रायपुर (छ.ग.) 077140 36689, 97703 04037, 8120957510 **(046)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है योग्यता 10वी, 12वी, स्नातक सैलरी 10000 रहना खाना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15000 से 20,000 स्थान म.प्र. उज्जैन सम्पर्क करें- 9630773028, 9691233111 **(329)**

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड, सुपरवाइजर, फिल्ड अधिकारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, योग्यता 10वीं से स्नातकोत्तर, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय- साकरा चौक सिलतरा रायपुर, सिटी ऑफिस- 434 चतुर्थ तल प्रगतिशील बिन्दु लालपुर रायपुर (छ.ग.) 77460 00016, 7747000019, 7747000016, 774600 0019 **(074)**

आवश्यकता है- राईस मिल हेतु एक अनुभवीं सुपरवाइजर की आवश्यकता हैं। सम्पर्क करें 9425208857 **(6976)**

बेचना है

बेचना है- शीशम फर्नीचर दीवान, ड्रेसिंग सिंगल बेड, टेबल चेयर तखत बेचना है 2BHK, 1 BHK नवनिर्मित कालोनी में (शासकीय अर्धशासकीय कर्मचारी को प्राथमिकता) किराये से देना है संपर्क करें 9098123929, 98274 78634 **(37601)**

बेचना है-तखतपुर मेन रोड पर पुराना, बस स्टैण्ड पर स्थित 20×70 वर्गफीट में बना सर्वसुविधायुक्त मकान एवं टिकरीपारा तखतपुर में 82 डिसमिल जमीन अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 79990 75751 **(37573)**

बेचना है-ब्रिलियंट स्कूल के पास बहतराई बिलासपुर में सीसी रोड, नाली, बिजली, डायवर्सन, कॉलोनी में प्लॉट एवं मकान उपलब्ध हैं रेल्वे स्टेशन अपोलो हॉस्पिटल SECL मुख्यालय से मात्र 5 मिनट की दूरी सम्पर्क करें- 8319251951, 78282 25044 **(054)**

बेचना है-प्लाट साइज 60×24= 1440 कंशट्रक्शन एरिया 3550 किराया 30000 माह (तीन फ्लोर) वॉलफोर्ट के समीप रिंग रोड-1, भाटागांव रायपुर नये बस स्टैण्ड के समीप मूल्य 90लाख सम्पर्क करें- 95750 86006 **(7313)**

बेचना है- ग्राम रहंगी चकरभाठा बिलासपुर में 2250 वर्गफिट (45×50) ईस्ट साउथ फेस का कॉलोनी स्थित आवासीय प्लाट 25 फीट कांक्रीट रोड नाली बिजली सुविधायुक्त बेचना है सम्पर्क करें 9329351242 **(37599)**

बेचना है- आसमां सिटी होम्स फेज-1, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकान नम्बर 27, साइज- 10×16.9= 169 वर्गफीट अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क 9179023646 **(37598)**

बेचना है- जूना बिलासपुर डबल स्टोरी 214 वर्गफुट मेन रोड दुकान एवं प्रताप टाकीज चौक के पास 9×6 साईज दुकान 25 लाख में बेचना है। सम्पर्क करें- राजेश श्यामनानी 9827168452 **(37621)**

किराया

किराया- शीला स्क्वायर में 16 फीट हाइटेड मेजनाइन शॉप साइज 11×42 महाराणा प्रताप चौक से व्यापार विहार रोड पर किराए से देना है सम्पर्क करें- 9826165907 **(37593)**

किराया- सीएमडी कॉलेज के सामने लिंक रोड पर मेन रोड की दुकान सांई प्लाजा कॉम्प्लेक्स में किराए से देना है सम्पर्क करें- 9827168592 **(37572)**

किराया- जलाराम मंदिर टिकरापारा के समीप स्थित 2BHK सर्व सुविधा युक्त मकान किराये से देना है। सम्पर्क करे 9179989878, 9713948859 **(1467)**

किराया- 2BHK फ्लैट, लिफ्ट सुविधा, 24घंटे पानी किराये से देना है सियाराम अपार्टमेंट, 36 सिटी मॉल के सामने, मुंगेली रोड बिलासपुर में। संपर्क करें 7987165126, 94241 43077 **(37604)**

वैवाहिकी

वर चाहिए

GROOM WANTED
29Yr Muslim Doctor (Pursuing Post Graduation) from a respected family, Seeks alliance with a Well educated Muslim P.G. Doctor (any Specialization) Professionally Well settled from a deeny good family background
8435639998

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82/ 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉ. प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित हायर सेकेण्डरी, ग्रेजुएट, अविवाहित सजातीय हिन्दू जाति बंधन नहीं, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा। साधारण विवाह।
9131453175

वधु चाहिए- पंजाबी 30 वर्षीय युवक 5 फुट 8 इंच (B.Sc.Ag.) Sales Officer एवं व्यवसायी परिवार के इकलौते बेटे हेतु वधु चाहिए। दहेज बंधन नहीं। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7509396155 **(7331)**

वधु चाहिए- रंग गोरा स्मार्ट 36 वर्षीय, हाईट 5 फुट 6 इंच व्यावसायिक लड़का (अनाथ एवं विकलांग) के लिए वधु चाहिए तलाकशुदा भी स्वीकार्य है। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- 8435278895 **(7330)**

मैरिज ब्यूरो

मैरिज ब्यूरो
योग्य महाराष्ट्रीयन वर वधु की तलाश हेतु श्री स्वामी समर्थ उपासना मंडल भिलाई- दुर्ग द्वारा संचालित शोध वधू-वारांचा मैरिज ब्यूरो में अपना नाम रजिस्टर करने संपर्क करें
9131455917

Medicare Specialists
गुप्त रोगो का सफल ईलाज

❖ गुप्त रोग, नामर्दी
❖ लिंग में छोटापन।
❖ शीघ्र पतन
❖ पेशाब से धातू जाना।
❖ लिंग में ढीलापन,
❖ शुक्राणु की कमी।
❖ शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
❖ जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
❖ चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD

01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
COLOUR 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.

ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

सांसें रोक देने वाले मैच में बेंगलुरु ने चेन्नई को हराया, प्लेऑफ के करीब

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मुकाबले में दो रन से हराया। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 के 52वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 213 रन बनाए। इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अंतिम गेंद पर मैच हारी। चेन्नई ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 211 रन बनाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जारी सीजन में आठवीं जीत है और रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली टीम प्लेऑफ के करीब पहुंच गई है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स ने नौवां मुकाबला गंवाया है।

214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को रशीद और आयुष ने अच्छी शुरुआत दिलाई। रशीद 11 गेंद में 14 रन ही बना सके। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 51 रन की पार्टनरशिप हुई। सैम करन को लुंगी एनगिडी ने पवेलियन भेजा। उन्होंने 5 गेंद में पांच रन बनाए। रविंद्र जडेजा और आयुष के बीच तीसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी हुई है। आयुष ने 48 गेंद में 94 रन की पारी खेली। डेवाल्ड ब्रेविस खाता भी नहीं खोल सके। दोनों को लुंगी ने एक ही ओवर में पवेलियन भेजा। धोनी 8 गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए। रविंद्र जडेजा 45 गेंद में 77 रन बनाकर नाबाद लौटे। दुबे ने तीन गेंद में आठ रन बनाए। चेन्नई को जीत के लिए आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए। लेकिन यश दयाल ने धोनी को आउट करने के साथ सिर्फ 11 रन दिए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जैकब बेथल और विराट कोहली ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी हुई। जैकब 33 गेंद में 55 रन बनाकर आउट हुए। विराट कोहली ने 33 गेंद में 62 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने 5 चौके और इतने ही छक्के लगाए। देवदत्त पडिक्कल को पथिराना ने पवेलियन भेजा। उन्होंने 15 गेंद में 17 रन बनाए। जितेश शर्मा ने 7 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार 15 गेंद में 11 रन बनाकर आउट हुए। रोमरियो शेफर्ड ने 14 गेंद में नाबाद 53 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 छक्के और चार चौके लगाए।

आखिरी ओवर का रोमांच

आखिरी ओवर में चेन्नई सुपर किंग्स को 15 रन चाहिए थे। यश दयाल ने शुरुआती दो गेंद पर सिर्फ दो रन दिए। तीसरी गेंद पर उन्होंने एमएस धोनी को एलबीडब्ल्यू किया। इसके बाद चौथी गेंद पर शिवम दूबे ने छक्का लगा, जोकि नो बॉल थी। लेकिन फ्री हिट पर शिवम एक रन ही बना सके। पांचवीं और अंतिम गेंद पर सिर्फ 1-1 रन बने।

खास खबर

किरण को निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण

नई दिल्ली। पुरुष राइफल थ्री-पोजीशन के मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन किरण अंकुश जाधव ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक निशानेबाजी चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता। अगले महीने म्यूनिख में होने वाले विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नौसेना के इस निशानेबाज ने 24 निशानों से 251.5 अंक हासिल कर सेना के विवेक शर्मा को 1.4 अंक से पीछे छोड़ा। सेना के ही विशाल सिंह (230.1) ने कांस्य पदक जीता। महाराष्ट्र के पार्थ राकेश माने ने पुरुषों के जूनियर वर्ग का खिताब 0.1 अंक के मामूली अंतर से अपने नाम किया।

भारत के लिए अच्छा कप्तान बनेगा गिल

मुंबई। अफगानिस्तान के टी20 कप्तान राशिद खान ने शनिवार को कहा कि शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग में सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिये ही नहीं बल्कि भारत के लिये भी बहुत अच्छे कप्तान साबित होंगे। गिल ने गुजरात टाइटंस की मोर्चे से अगुवाई करते हुए इस सत्र में दस मैचों में अब तक 465 रन बनाये हैं। राशिद ने कहा, 'शुभमन गिल का कप्तानी करते हुए यह दूसरा साल है। वह लगातार बेहतर हो रहा है। भविष्य में वह भारत के बेहतरीन कप्तानों में से होगा। सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिए नहीं बल्कि भारत के लिए भी। उसके पास कौशल और प्रतिभा है।'

वैभव को अपने तरीके से खेलने की छूट

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे युवा शतकवीर राजस्थान रॉयल्स के किशोर खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को अपने तरीके से खेलने की 'आजादी' दी गई है। टीम के तेज गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने कहा, 'उसे अपने तरीके से खेलने की थोड़ी बहुत छूट मिली है। उसने अब तक एक 14 वर्षीय खिलाड़ी के तौर पर वाकई कमाल का काम किया है। मुझे लगता है कि कोचिंग स्टाफ ने वैभव के साथ चीजों को बहुत ज्यादा जटिल बनाने की कोशिश नहीं की है। वह पिछले मैच में चूक गया था लेकिन हम इतने कम उम्र के खिलाड़ी को लेकर वास्तव में घबराना नहीं चाहते।'

मैं डोपिंग के कारण अस्थाई तौर पर निलंबित हूं

जोहानिसबर्ग। दुनिया के शीर्ष तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने शनिवार को चौंकाने वाला खुलासा किया कि 'नशे में मौज-मस्ती' के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रतिबंधित ड्रग के सेवन के कारण वह अस्थायी निलंबन झेल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने पिछले महीने गुजरात टाइटंस के लिए दो मैच खेलने के बाद निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल छोड़ दिया था। रबाडा इस महीने के आखिर में 30 साल के हो जाएंगे। उन्होंने 'दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन' के माध्यम से एक बयान जारी किया। रबाडा ने इस बयान में अपनी गलती के लिए माफी मांगते हुए कहा, 'जैसा की खबरों में बताया गया है कि मैं निजी कारणों से आईपीएल में भाग लेने के बाद दक्षिण अफ्रीका लौटा हूं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि जांच में ऐसे प्रतिबंधित पदार्थ की पुष्टि हुई है जिसका इस्तेमाल नशे में मौज मस्ती के लिए किया जाता है। मैं अस्थाई तौर पर निलंबन झेल रहा हूं और अपने पसंदीदा खेल में वापसी के लिए उत्सुक हूं।'

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
मुंबई	11	7	4	14
गुजरात	10	7	3	14
बेंगलुरु	10	7	3	14
पंजाब	10	6	3	13
दिल्ली	10	6	4	12
लखनऊ	10	5	5	10
कोलकाता	10	4	5	9
राजस्थान	11	3	8	6
हैदराबाद	10	3	7	6
चेन्नई	10	2	8	4

ऑरेंज कैप

साइ सुदर्शन
504 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
19 विकेट
गुजरात

आईपीएल : 10 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर किंग्स

कप्तान पंत फेल, फार्म में श्रेयस अय्यर लखनऊ का पंजाब से मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत की बल्ले से खराब फॉर्म और पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की शानदार लय के कारण इन दोनों टीमों के बीच रविवार को यहां होने वाले आईपीएल मैच को रोचक बन गया है। पंजाब के कप्तान अय्यर आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और उन्होंने अभी तक एक कप्तान और बल्लेबाज दोनों रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अभी तक इस प्रतियोगिता में चार अर्थशतक लगा चुके हैं और उनकी टीम 10 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। दूसरी ओर पंत ने बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन किया है और उन्होंने 10 मैचों में कुल 110 रन बनाए हैं जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेली गई 63 रन की पारी भी शामिल है। इस बीच वह छह पारियों में दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच पाए। उनके इस खराब प्रदर्शन का असर टीम पर पड़ रहा है जो वर्तमान में 10 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है।

अय्यर अपेक्षाओं पर खरे

अय्यर ने पिछले सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताब जीतने के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन मेगा नीलामी से पहले उन्हें रिलीज़ कर दिया गया था। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 करोड़ रुपए में खरीद कर कप्तान नियुक्त किया था और वह अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतर रहे हैं। बल्लेबाजी विभाग में अय्यर के अलावा सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन किया है जबकि प्रियांश आर्य, नेहल वढेरा और शशांक सिंह ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। गेंदबाजी के मोर्चे पर, युजवेंद्र चहल की फॉर्म में वापसी से पंजाब को मजबूती मिली है।

लखनऊ विश्राम के बाद तरोताजा

जहां तक लखनऊ का सवाल है तो उसकी टीम एक सप्ताह के विश्राम के बाद तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। पिछले मैच में तेज गेंदबाज मयंक यादव की वापसी सकारात्मक रही, फिर भी उसे मुंबई इंडियंस से 54 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिससे मिशेल मार्श, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन और डेविड मिलर जैसे पावर-हिटर्स से भरी बल्लेबाजी इकाई की खामियां उजागर हो गईं। लखनऊ की बल्लेबाजी पूरन (377 रन), मार्श (344), और मार्क्रम (326) पर बहुत निर्भर रही है और रविवार को होने वाले मैच में भी इनका प्रदर्शन काफी मायने रखेगा।

केकेआर की निगाह जीत पर समीकरण बिगाड़ने की कोशिश करेगा रॉयल्स

कोलकाता। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में रविवार को यहां जब राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य जीत हासिल करके प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद को जीवंत रखना होगा। केकेआर को लीग चरण के अब चार मैच खेलने हैं और प्लेऑफ के लिए उसका समीकरण सीधा है। चारों मैच जीत कर 17 अंक तक पहुंचना। इससे वह अंतिम चार में पहुंचने के लिए अगर मगर से बच जाएगा। कागजों पर यह आंकड़ा भले ही सीधा नजर आता है लेकिन वास्तविकता में यह काफी मुश्किल है।

खबर संक्षेप

खिलाड़ी अब कैमरे का सामने करने को तैयार

मुंबई। भारत के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का कहना है कि वर्तमान समय के क्रिकेटर यह बताने से नहीं हिचकिचाते हैं कि उनके दायरे में क्या हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि एक खिलाड़ी का ब्रांड प्रशासक या प्रसारक जितना शक्तिशाली हो गया है। भारत के पूर्व कप्तान कुंबले भी हेडन की इस बात से सहमत थे कि जो खिलाड़ी पहले अपने ड्रेसिंग रूम में कैमरा रखने के लिए सहमत नहीं होते थे।

अरुणाचल प्रदेश में खेलो इंडिया सुविधा हुआ शुरू

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में एक बहुउद्देश्यीय हॉल का उद्घाटन करते हुए विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में समावेशी खेल विकास को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

महिला त्रिकोणीय श्रृंखला : लगातार दो जीत के बाद श्रीलंका से मैच आज

विजय अभियान जारी रखने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

पिछले दो मैच में शानदार जीत से उत्साह से भरी भारतीय टीम रविवार को यहां होने वाले महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला में अपना दबदबा बनाए रखने की कोशिश करेगी। श्रीलंका की टीम खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका दोनों के खिलाफ जीत दर्ज की और वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। भारत ने पिछले सप्ताह टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में श्रीलंका को हराया था। श्रीलंका ने हालांकि शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हराकर अपने अभियान में नई जान डाल दी है।

फार्म में भारतीय टीम

भारत ने अब तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके लगातार आठ एकदिवसीय मैच जीते हैं और टीम अपने इस विजय अभियान को नए मुकाम पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध होगी। श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में स्पिनर स्नेह राणा और श्री चरणी ने शानदार गेंदबाजी करके उसे बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया था। इसके बाद सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल और स्मृति मंधाना ने हरलीन देयोल के साथ मिलकर 148 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के शीर्ष क्रम ने एक बार फिर मंच प्रदान किया, जबकि कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में मध्य क्रम ने अंतिम 10 ओवरों में 82 रन जोड़कर टीम को चुनौती पूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

कप्तान चमारी कर रही निराश

श्रीलंका के लिए कप्तान चमारी अट्टापट्टू की खराब फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे बल्लेबाजी इकाई पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। 19 वर्षीय विशमी गुणरत्ने को शामिल करने से शीर्ष क्रम को कुछ मजबूती मिली है। भारत इस मैच में अपनी शानदार लय के साथ फाइनल में जगह पक्की करने का लक्ष्य रखेगा, जबकि श्रीलंका एक और दमदार प्रदर्शन करके प्रतियोगिता में बने रहना चाहेगा।

स्थानीय खेलों को मिले वैश्विक पहचान

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने स्थानीय खेलों को वैश्विक मान्यता दिये जाने की वकालत करते हुए शनिवार को कहा कि ओडिशा यह सुनिश्चित करना जारी रखेगा कि स्थानीय खेलों को वैश्विक मंच पर उनका उचित स्थान मिले। मुख्यमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि माझी ने यह मांग मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित वेव्स (विश्व दृश्य श्रव्य एवं मनोरंजन सम्मेलन') 2025 में अपने संबोधन के दौरान की। माझी ने कहा, 'हम भारत सरकार और वैश्विक महासंघों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्वदेशी खेलों को विश्व मंच पर उनका उचित स्थान मिले।'

राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन — अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक — वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु — रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन — रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

शब्द पहेली - 5856

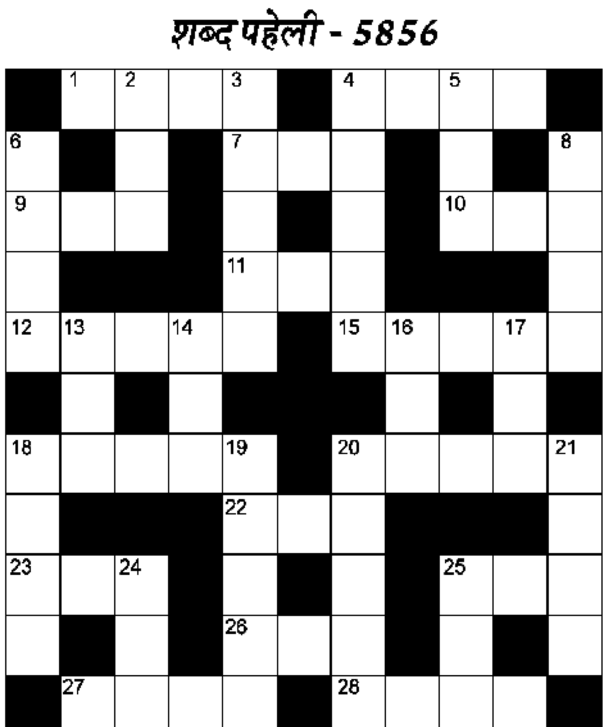

बाएँ से दाए-
1. बेजोड़-4
4. परिचय, निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा, रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3, 2
18. तड़के, सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2, 3
22. मैला, गंदा-3
23. रसद, आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम, नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी, प्राचीन-4
28. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंकज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली - 5855 का हल

सूडोकु नवताल - 5866

मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5865 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

खबर संक्षेप

उत्तरी गुजरात में भूकंप के हल्के झटके

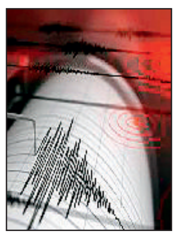

अहमदाबाद। उत्तरी गुजरात में शुक्रवार देर रात 3.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान ने यह जानकारी दी। जिला प्राधिकारियों ने बताया कि जान-माल के किसी प्रकार के नुकसान की कोई खबर नहीं है। आईएसआर ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया कि भूकंप शुक्रवार देर रात तीन बजकर 35 मिनट पर दर्ज किया गया और इसका केंद्र बनासकांठा जिले में वाव के पास था। गांधीनगर स्थित संस्थान ने कहा कि भूकंप वाव से लगभग 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व (ईएनई) में 4.9 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) के अनुसार, गुजरात भूकंप के लिहाज से अत्यधिक जोखिम वाला क्षेत्र है।

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट में बोले केंद्रीय मंत्री

वैश्विक कंपनियां आईआईसीटी के साथ काम करने के लिए इच्छुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुंबई

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यहां कहा कि वैश्विक कंपनियां देश के युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा का दोहन करने के लिए नव घोषित भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के साथ काम करने की इच्छुक हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने सात प्रमुख कंपनियों (जियोस्टार, गूगल, एडोब, मेटा, एप्पल, एनवीडिया और माइक्रोसॉफ्ट) द्वारा यहां वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के दौरान आईआईसीटी के साथ आशय पत्रों के आदान-प्रदान के बाद यह कहा। वैष्णव केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन और सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू की उपस्थिति में आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया गया।

जियोस्टार ने किया 10 अरब डॉलर का निवेश

मुंबई स्ट्रीमिंग मंच जियोस्टार ने तीन साल में भारत में कंटेंट में 10 अरब डॉलर का निवेश किया है। कंपनी के वाइस चेयरमैन उदय शंकर ने शनिवार को यह जानकारी दी। यहां पहले विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) के एक सत्र में उन्होंने कहा कि उद्योग को दो-तीन बड़े चालकों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

सैफ को पसंद है महाभारत की कहानी

वेव्स समिट में अभिनेता सैफ अली खान भी पहुंचे हैं। यहां उन्होंने नेटफ्लिक्स के सह-सीईओ टेड सारंडोस के साथ बातचीत में अपनी सिनेमाई समझ को बताया। सैफ अली खान ने बताया कि उन्हें किस तरह की फिल्में पसंद आती हैं। उन्होंने वैश्विक सिनेमा और कहानी कहने वाले प्रारूपों के विकसित परिदृश्य के बारे में भी बात की। सैफ अली खान ने कहा 'मुझे ऐतिहासिक फिल्में पसंद आती हैं। जो फिल्में दूसरी संस्कृति की होती हैं, शायद जापानी फिल्में भी पसंद आती हैं।

सीआईआई और फिक्की साथ-साथ

आईआईसीटी की स्थापना सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा व्यापार निकाय फिक्की और उद्योग निकाय सीआईआई के साथ रणनीतिक सहयोग से प्रतिष्ठित आईआईटी और आईआईएम की तर्ज पर एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में की जा रही है। वैष्णव ने कहा, भारत में मीडिया और मनोरंजन की दुनिया में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने की क्षमता है। यह संस्थान उस दिशा में पहला कदम है और हमें इस पर काम करना है। मंत्री ने कहा कि आईआईसीटी के साथ काम करने के लिए वैश्विक कंपनियां इच्छुक हैं।

उत्तराखंड में निर्माणाधीन भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग

रेल सुरंग को आकार दे रहे 'शिव और शक्ति'

नई दिल्ली। हिमालय में सबसे चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक, उत्तराखंड में निर्माणाधीन भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग को जर्मनी में बनी सुरंग खोदने वाली मशीनें 'शिव और शक्ति' आकार दे रही हैं। इन मशीनों का नाम हिंदू देवताओं के नाम पर शिव और शक्ति रखा गया है - जो 'देवभूमि'कहे जाने वाले राज्य की आध्यात्मिक विरासत से प्रेरित है। देवप्रयाग-जनसू जुड़वां सुरंगें हैं जो एक दूसरे से 25 मीटर की दूरी पर समानांतर चलती हैं। करीब 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल संपर्क परियोजना की 14.57 किलोमीटर लंबी सुरंगों में से एक सुरंग को 16 अप्रैल को सफलतापूर्वक पूरा किया गया था, जिसकी खुदाई 'शक्ति' नामक सुरंग बोरिंग मशीन (टीबीएम) द्वारा की गई। निर्माण स्थल पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि टीबीएम 'शिव' से इस वर्ष जून में दूसरी सुरंग का काम भी पूरा होने की उम्मीद है। परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि पर्वतीय रेल परियोजना में पहली बार टीबीएम के उपयोग के लिए न केवल वृहद पैमाने पर कोशिश बल्कि विस्तृत योजना की भी आवश्यकता थी।

विकास के लिए राज्यों में समन्वय जरूरी:तोखन

भुवनेश्वर। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने अपने ओडिशा दौरे के दूसरे दिन ओडिशा के राज्यपाल महामहिम डॉ. हरि बाबू कांभमपति से मुलाकात की।

इसके उपरांत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में ओडिशा सरकार की आवास एवं शहरी विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती उषा पाढ़ी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), अमृत मिशन, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं तथा शहरी अवसंरचना विकास के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री साहू ने शहरी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि नागरिक-केन्द्रित विकास हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकारों के बीच मजबूत समन्वय अत्यंत आवश्यक है।दोपहर में बड़गड़ से लोकसभा सांसद प्रदीप पुरोहित ने श्री साहू से भेंट की। दोनों जनप्रतिनिधियों के बीच क्षेत्रीय विकास प्राथमिकताओं पर सार्थक चर्चा हुई तथा ओडिशा में शहरी कायाकल्प को गति देने हेतु संयुक्त प्रयासों की रूपरेखा पर विचार किया गया। श्री साहू का यह दौरा शहरी शासन को अधिक सुदृढ़ बनाने, स्थानीय स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा देने तथा भारत की सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में केंद्र सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

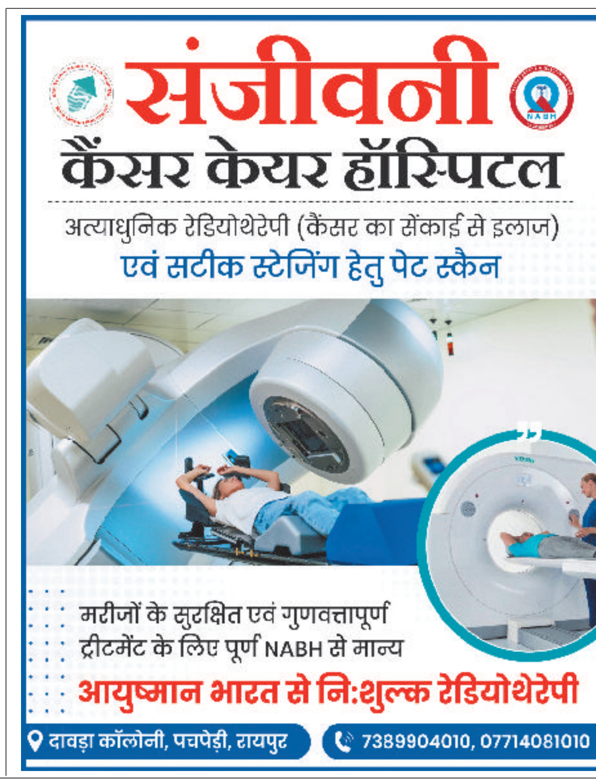

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com